एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

आवश्यक्ता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-20 | अंक-128 | प्रात:कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 20 मई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

► मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ नाटक देखा

देवी मां अहिल्या नारी सशक्तिकरण, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सुशासन की मिसाल है : मुख्यमंत्री

राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाटक का किया गया मंचन

भोपाल (नगर संवाददाता)

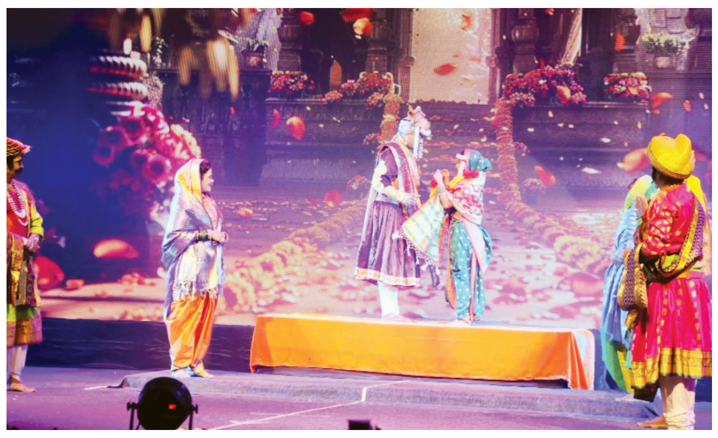

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट के सदस्यों के साथ देर रात सराफा चौपाटी पर व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

देवी अहिल्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, नारी सशक्तिकरण और सुशासन की एक मिसाल है। उनके द्वारा कुशल प्रशासक के रूप में कराए गए जन कल्याण के कार्य आज भी हमें समाज के हर वर्ग के कल्याण की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर के लता मंगेशकर ऑडिटोरियम हाल में विश्व मांगल्य सभा द्वारा पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी अवसर पर राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा नाटक के मंचन अवसर पर उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ इस नाटक को देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या बाई होलकर ने कठिन समय में कुशलता के साथ सत्ता का संचालन कैसे किया जाता है, यह करके दिखाया है। उन्होंने सोमनाथ और वाराणसी में मंदिर बनाने के साथ ही नदियों पर घाट बनवाए हैं। रामेश्वरम के मंदिर निर्माण में भी देवी अहिल्या बाई होलकर का योगदान है। उन्होंने मंदिर के साथ ही धर्मशाला, अन्नशाला, घाट निर्माण, पुजारी के मानदेय सबका ध्यान रखा। उन्होंने सहस्त्रबाहु की राजधानी महिष्मती का उद्धार कराया। देवी अहिल्या बाई में एक आदर्श बहु और बेटी का रुप भी दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवी अहिल्या की 300वीं जन्म जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्पूर्ण देश में अहिल्या उत्सव मनाए जाने का मार्ग प्रशस्त किया है और वे स्वयं भी इस कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल पधारने वाले हैं। देवी अहिल्या बाई की 300वीं जन्मजयंती के अवसर पर इंदौर के राजवाड़ा में प्रदेश की कैबिनेट बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रदेश के विकास के लिए अच्छे निर्णय लिए जाएंगे।

अहिल्या बाई के कार्यों और सुशासन से परिचित कराया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्या बाई के जीवन के विविध पहलुओं को एक नाटक के माध्यम से प्रस्तुत करने के लिए विश्व मांगल्य सभा की सराहना करते हुए कहा कि यह नाटक जन सामान्य को देवी अहिल्या बाई के कार्यों और सुशासन से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनके द्वारा महेश्वर में इस नाटक का कुछ भाग ही देखा गया था। लेकिन सोमवार को इंदौर में पूरा नाटक कैबिनेट के सभी सदस्यों के साथ देखने का अवसर मिला है।

मालवा पगड़ी से स्वागत

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित कैबिनेट के मंत्रिगणों का मालवी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री द्वय राजेन्द्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा, मंत्रीगण प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव अनुराग जैन, संभागायुक्त दीपक सिंह, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड़, मधु वर्मा, गोलू शुक्ला, सुमित मिश्रा एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का किया सम्मान

भोपाल (नगर संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकार ने स्त्री सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रयास किए हैं, विशेष रूप से देवी अहिल्या की त्रिशताब्दी वर्ष में मध्य प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक इंदौर में होने जा रही है, स्त्री शक्ति को समर्पित मुख्यमंत्री के एजेंडे के सम्मान में भाजपा महिला मोर्चा व महिला नेत्री सोमवार को राजबाड़ा पर देवी अहिल्या के चित्र की प्रतिकृति भेंट कर मुख्यमंत्री का सम्मान किया। इस अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी, विधायक महेंद्र हार्डिया, रमेश मेंदोला, गोलू शुक्ला, मधु वर्मा, जीतू जिराती, आलोक दुबे, दीपक जैन टीनू, सुदर्शन गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

विकास आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन

मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में अभी तक संपन्न हुई कैबिनेट बैठकों के प्रमुख विकासात्मक निर्णयों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन सोमवार शाम को राजवाड़ा पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने किया। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने बताया कि इंदौर की आम जनता के लिए चित्रमयी प्रदर्शनी लगाई गई है, गर्मी के मौसम को देखते हुए विशेष रूप से एयर कूल्ड पंडाल लगाया गया है, जिसमें प्रदेश सरकार के जनहितेषी निर्णय व विकास को प्रदर्शित किया गया है।समाज कल्याण, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन, गरीब कल्याण, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, मप्र सरकार द्वारा इंदौर को दी गई विकास की प्रमुख सौगातों का विशेष वर्णन है।

सरस्वती के वरद पुत्रों को प्रताड़ित करने वालों को होना पड़ेगा नतमस्तक:सक्सेना

बीनागंज/चांचोडा। सरकार और न्यायालयों के सीधे हस्तक्षेप के बाद अब स्पष्ट होने लगा है कि पत्रकारों पर प्रताड़नाओ का दौर शीघ्र ही समाप्त होगा। कलम के सच्चे सिपाही को यदि कोई दुर्भावनावश प्रताड़ित करेगा तो अब जंप खामोश नहीं बैठेगा। भोपाल से लेकर दिल्ली तक लड़ाई लड़ी जाएगी।

उक्ताशय का उद्बोधन जर्नलिस्टस यूनियन ऑफ़ मध्यप्रदेश के प्रांताध्यक्ष डॉ अरुण सक्सेना ने प्रान्तीय कार्यसमिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

इसके पूर्व, चांचोडा रोड स्थित होटल स्वादिष्ट में आयोजित जम्प की प्रांतीय कार्यसमिति बैठक और संभागीय पत्रकार सम्मेलन का भव्य एवं गरिमामय का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अखिल ब्रह्मांड के पहले पत्रकार नारद मुनि की जयंती पर उन्हें याद किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में बोलते हुए जंप के संस्थापक और भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्टीय महासचिव डॉ नवीन आनंद जोशी ने पत्रकार साथियों के कल्याण हेतु सहकारिता के माध्यम से संगठन द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों और उनके सारगर्भित परिणामों के बारे में विस्तार से बताया।साथ ही आंचलिक साथियों को अपने कार्यों में आ रही क्लिष्टाओं के बारे में बताया।

विशेष अतिथि, भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्टीय सह प्रवक्ता डॉ कमल आलोक प्रसाद ने अपने उद्बोधन मे कहा जिस प्रकार भारत सरकार की रक्षाप्रणाली एयर डिफेंस सिस्टम के माध्यम देश की रक्षा करती है उसी भाँति जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ़ मध्यप्रदेश जंप एवं बीएसपीएस पत्रकारों के हितों की रक्षा करने हेतु कृत संकल्पित है। कार्यक्रम को प्रांतीय महासचिव महेंद्र शर्मा, प्रांतीय कोषाध्यक्ष श्याम निगम सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गुना, अशोकनगर, शाडोरा, बदरवास, शिवपुरी, आरोंन, कुंभराज, लटेरी, सिरोंज, आगर मालवा, बड़ौद, उज्जैन, इंदौर, भोपाल, कुरावर, नरसिंहगढ़, राजगढ़, ब्यावरा सहित जयपुर से पत्रकार साथियों ने शिरकत की और कार्यक्रम को सफल बनाया।

बीएसपीएस के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सह प्रवक्ता के स्वागत में ढोल, नगाड़ो के साथ आतिशबाजी और पुष्पवर्षा की गई। कार्यक्रम के भोजनावकाश दौरान पत्रकार साथी शिवम नामदेव और अनिल सैनी के प्रतिष्ठानों का फीता काटकर शुभारंभ प्रदेश अध्यक्ष डॉ अरुण सक्सेना और अतिथियों द्वारा किया गया,अरुण सक्सेना का जन्मदिवस केक काटकर और 51 किलों के पुष्पहार को पहना कर मनाया गया। कार्यक्रम के दोनों चरणों में संचालन प्रांतीय संगठन सचिव राहुल सक्सेना और प्रांतीय कार्यसमिति सदस्य अशोक गुर्जर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भोपाल, उज्जैन के संभागीय अध्यक्षों सहित गुना जिलाध्यक्ष अंसार ख़ान, कुरवार ब्लॉक अध्यक्ष मनोज मेवाड़े, तलेन ब्लॉक अध्यक्ष संजय बना, लटेरी ब्लॉक अध्यक्ष प्रशांत कटियार, किशन कश्यप, गोलू सेन, मनोज लाल अहिरवार, हेमराज जाटव सहित सभी साथियों को शाल, श्रीफल के साथ बाबा महाकाल के मोमेंटो के साथ साफा बांधकर सम्मान किया गया। आयोजन समिति के अध्यक्ष देवेश चित्रांशी, प्रांतीय सचिव योगेश सक्सेना, रिंकू विश्वकर्मा सहित वरिष्ठ पत्रकार साथी कैलाश नाथ, दिनेश भार्गव, शिवम् नामदेव, गोविंद सिंह मीणा, जयनारायण सोनी, करण ओझा, विजय सिंह मीणा, अंकित शर्मा, समाजसेवक प्रमोद भार्गव, गौसेवक अनुमन सोनी संजय कुशवाह गौ सेवक सहित समस्त पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की तैयारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा

31 को महिला सशक्तीकरण पर सम्मेलन, प्रधानमंत्री आएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल में 31 मई को संभावित भ्रमण कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ली।

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 31 मई को देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तीकरण को समर्पित एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेने के लिए मध्यप्रदेश आ रहे हैं। वे भोपाल के जम्बूरी मैदान में महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें लगभग एक लाख महिलाएं भाग लेंगी। उनके प्रवास में इंदौर मेट्रो का वर्चुअल उद्घाटन किए जाने की भी उम्मीद है। प्रदेश सरकार 31 मई को भारत की सबसे सम्मानित शासकों में से एक देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह मना रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेशवासियों के लिए यह गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 31 मई को भोपाल आगमन प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम भोपाल के समत्व भवन में होगा, देवी अहिल्याबाई अपने प्रगतिशील शासन और सामाजिक सुधारों के लिए जानी जाती थीं। कार्यक्रम में भारत सरकार की ओर से लोकमाता देवी अहिल्या को समर्पित डाक टिकट और सिक्के का विमोचन भी प्रस्तावित है।

इसलिए याद की जाती हैं अहिल्याबाई

अहिल्याबाई होल्कर ने 1767 से 1795 तक मालवा साम्राज्य पर शासन किया और अपने उत्कृष्ट नेतृत्व के लिए पहचान बनाई। उन्होंने सैन्य अभियानों की कमान संभाली, विधवाओं के पुनर्विवाह का समर्थन करके उनके अधिकारों की वकालत की और पूरे भारत में पवित्र स्थलों के निर्माण और संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

21 मई से अभियान

भाजपा ने अहिल्याबाई के योगदान को सम्मानित करने के लिए 21 मई से 31 मई तक राज्यव्यापी अभियान की योजना बनाई है। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जनता से जुड़ेंगे और उनके दूरदर्शी शासन, सामाजिक सुधारों और सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर चर्चा करेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय में श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी की याचिका खारिज

भारत कोई धर्मशाला नहीं है...

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा दायर उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जिसमें उसने अपनी सजा पूरी होने के बाद देश से निर्वासन को चुनौती दी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारत कोई 'धर्मशाला' नहीं है, जहां दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण दी जा सके। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि क्या भारत दुनिया भर के शरणार्थियों को शरण देने के लिए है? हम पहले से ही 140 करोड़ की आबादी से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है, जहां हम हर जगह से आए विदेशी नागरिकों को जगह दें।

अनुच्छेद-19 का जिक्र किया

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता से वकील से पूछा कि यहां बसने का आपका क्या अधिकार है? तो वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता एक शरणार्थी और उसके पत्नी-बच्चे भारत में बस गए हैं। इस पर जस्टिस दत्ता ने कहा कि अनुच्छेद-21 का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।उसकी स्वतंत्रता छीनी गई थी। लेकिन, अनुच्छेद-19 के अनुसार भारत में बसने का मौलिक अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को है। जब वकील ने कहा कि याचिकाकर्ता को अपने देश में जान का खतरा है तो न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा कि किसी अन्य देश चले जाएं।

सर्वोच्च न्यायालय मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया था कि श्रीलंकाई तमिल नागरिक को यूएपीए मामले में सात की सजा पूरी होते ही भारत छोड़ देना चाहिए। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ को बताया कि श्रीलंकाई तमिल युवक वीजा पर यहां आया था। उसे अपने देश में जान का खतरा है। वह बिना किसी निर्वासन प्रक्रिया के तीन साल से हिरासत में है।

लव जिहाद के विरोध में दतिया के भांडेर में बंद का व्यापक असर

दतिया। भांडेर तहसील में लव जिहाद के विरोध में भांडेर बंद रखा गया। शहर के बाजार सहित चाय की गुमठी तक सुनसान रहीं। 8 दिन पहले मुस्लिम युवक एक दलित लड़की को लेकर लापता हो गया था। इसे लेकर क्षेत्र के लोगों ने भारी विरोध दर्ज कराया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि भांडेर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने के बाद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। नाराज हिन्दू समाज ने भांडेर बंद का आह्वान किया था। भांडे में बंद के दौरान सभी बाजार और दुकानें पूरी तरह से बंद रही। सकल हिंदू समाज ने शनिवार से धरना प्रदर्शन प्रारंभ किया था, जो लगातार जारी है।

कर्नल सोफिया पर विवादित टिप्पणी का मामला

मंत्री विजय शाह की गिरफ्तारी पर रोक, एसआईटी करेगी जांच

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्वोच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी के मामले में फौरी राहत दे दी है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने विजय शाह को जांच में शामिल होने की शर्त पर गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। कोर्ट इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय एसआईटी के गठन का आदेश दिया है। कोर्ट ने मध्यप्रदेश के डीजीपी को निर्देश दिया कि वो मंगलवार सुबह 10:00 बजे तक एसआईटी का गठन कर लें। कोर्ट ने कहा कि इस एसआईटी में आईपीएस अफसर होंगे और कोई भी अधिकारी मध्यप्रदेश का नहीं होगा। इस एसआईटी में एक महिला अधिकारी भी शामिल होंगी। एसआईटी की अध्यक्षता एक आईजी रैंक के आईपीएस करेंगे और दो एसपी रैंक के अधिकारी सदस्य होंगे। कोर्ट ने कहा कि वो इस मामले की मॉनिटरिंग नहीं करना चाहती है, लेकिन एसआईटी को जांच रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 28 मई को होगी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने विजय शाह को उनके बयान के लिए फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि इस बयान से पूरा देश शर्मिंदा है।

सागर पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा के नेतृत्व में एसआईटी गठित

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के आदेशानुसार, मंत्री विजय शाह के मामले में जांच के लिए एसआईटी का गठन कर लिया गया है। सोमवार को ही सर्वोच्च न्यायालय ने इस बाबत आदेश जारी किया था। एसआईटी में सागर जोन के पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा, विशेष सशस्त्र बल पुलिस मुख्यालय के उप पुलिस महानिरीक्षक कल्याण चक्रवर्ती और डिंडोरी की पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह को शामिल किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

सरपंच-सचिव की लापरवाही से नहीं बन पाई सड़क, लोगों को हो रही परेशानी

सिहावल। जनपद सिहावल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजी में एक रोड निर्माण को लेकर पिछले 5 महीनों से निर्माण कार्य चल रहा है, मगर ग्राम पंचायत के सचिव और सरपंच की लापरवाही से अभी तक रोड के नाली तक निर्माण कार्य नहीं हो पाया है, जिससे आज दोपहर 3 बजे 15 मिनट की बारिश ने पूरे पंचायत के विकास की पोल खोल कर रख दी। वहीं ग्राम पंचायत की जनता ने मीडिया से गुहार लगाया कि इस पंचायत में निर्माण कार्य न होने से हमारा घर गिर रहा है। घरों में पानी घुस रहा है, बरसात आने वाली है ऐसे में बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। रोड निर्माण कार्य करने के लिए सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक ने पिछले 1 साल से पैसा दिया है। मगर यहां की ग्राम पंचायत के सचिव और सरपंच की लापरवाही से अभी तक निर्माण कार्य 20 प्रतिशत भी नहीं हुआ। ऐसे में विधायक ने भरे मंचों से कहा था कि ग्राम पंचायत अगर कार्य करने में असक्षम नजर आती है तो हम किसी दूसरे ठेकेदार को निर्माण कार्य करने के लिए देंगे। क्या ग्राम पंचायत राजी हैं, तो किसी ने हामी नहीं भरी और अब बरसात आने वाली है। ऐसे में समस्या डबल पैदा हो गई और ग्राम पंचायत की जनता पूरी तरह परेशान है।

एनटीपीसी विन्ध्याचल को टस्कर अवार्ड्स से किया गया सम्मानित

बैढ़न। एनटीपीसी विन्ध्याचल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता और सामाजिक दायित्व का परिचय देते हुए टस्कर अवार्ड्स 2025 में दो प्रतिष्ठित स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किए हैं। यह गौरव मयी सम्मान 17 मई 2025 को तिरुवनंतपुरम में आयोजित समारोह में प्रदान किए गए। एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना को 'सी एस आर उत्कृष्टता' और 'राजभाषा समावेशिता' की श्रेणियों में यह सम्मान प्राप्त हुआ। एनटीपीसी विंध्याचल की ओर से यह पुरस्कार अजय कुमार मीणा, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) ने ग्रहण किए। सी एस आर उत्कृष्टता पुरस्कार एनटीपीसी विन्ध्याचल की उस प्रतिबद्धता को मान्यता देता है, जिसके अंतर्गत उसने स्थानीय समुदायों के समग्र विकास के लिए बहुआयामी पहलों को क्रिया न्वित किया है। साथ ही बुनियादी ढांचा विकास, कौशल प्रशिक्षण, आर्थिक सशक्ति करण तथा 'बालिका सशक्ति करण अभियान' के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा और सशक्ति करण में अहम योगदान दियाहै। तथा राजभाषा समावेशिता पुरस्कार हिन्दी भाषा के प्रचार प्रसार हेतु किए गए प्रयासों का प्रमाण है। एनटीपीसी विन्ध्याचल ने न केवल अपने कर्मचारियों, बल्कि उनके परिवारों, संविदा कर्मियों और स्कूलों तक राजभाषा के प्रति जागरूकता और सहभागिता का वातावरण निर्मित किया है। ये दोनों पुरस्कार एनटीपीसी विन्ध्याचल की राष्ट्र सेवा, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक उत्तर दायित्व की भावना को और भी सशक्त बनाते हैं।

दिनों दिन घटता जा रहा है वन भूमि का क्षेत्रफल

मानचित्रकार व प्राइवेट सर्वेयर की मिली भगत से हो रहा खेल

■ वन एवं राजस्व विभाग के जिम्मेवार अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

सीधी (नि.प्र.)

जिले में वन भूमि का क्षेत्रफल लगातार घटता जा रहा है। जिम्मेवार विभागों के अधिकारियों द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते यह स्थित बन रही है। बताया गया है कि वन एवं राजस्व तथा निजी भूमि स्वामियों के बीच सीमा विवाद को लेकर आने वाले शिकायतों में वन विभाग के मानचित्रकार एवं प्राइवेट सर्वेयर द्वारा निजी भूमि स्वामियों से सांठगांठ कर वन भूमियों का बंदरबाट किया जा रहा है। मिली जानकारी अनुसार सीधी जिले में संचालित क्रेशर अधिकांश वन सीमा से लगें हुए हैं, जिसकी एनओसी में अड़चन न आए इसके लिए मानचित्रकार ज्ञानेंद्र पाण्डेय एवं प्राइवेट सर्वेयर रामसिया तिवारी उर्फ शिव तिवारी द्वारा क्रेशर संचालकों से मोटी रकम लेकर वन सीमा को दूर दिखा कर अच्छी खासी रकम ऐंठी जा रही है।

इस पूरे खेल में राजस्व विभाग का मैदानी अमला भी शामिल रहता है। लेकिन इसका मास्टर माइंड मानचित्रकार ज्ञानेंद्र पाण्डेय एवं प्राइवेट सर्वेयर रामसिया तिवारी उर्फ शिव तिवारी को कहा जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि इस पूरे मामले में होने वाली सौदेबाजी की राशि शहर में संचालित एक कंप्यूटर दुकान में आती हैं, जहां से लेनदेन किया जाता है।

सिंगरौली के लिए हो चुका है स्थानांतरण

बता दें कि वन मंडल कार्यालय सीधी में पदस्थ मानचित्रकार ज्ञानेंद्र पाण्डेय का प्रमोशन वन परिक्षेत्र अधिकारी के पद पर गत वर्ष हुआ थाए जिसके बाद उनका तबादला सीधी वन मंडल कार्यालय से सिंगरौली वन मंडल के लिए किया गया था लेकिन वन भूमि पर गिद्दी दृष्टि लगाए बैठें ज्ञानेंद्र पाण्डेय का सीधी से मोहभंग नहीं हो रहा है। सूत्र बताते हैं कि अगर यह सीधी कार्यालय से मुक्त हो जाए तो वन भूमि की लूट थम सकती हैं। बताया जा रहा है कि सीधी में जबसे ज्ञानेंद्र पाण्डेय की पदस्थापना हुई है लगातार वन भूमि का क्षेत्रफल घटता जा रहा है, अगर इन्हें यहां से हटाया नहीं गया तो वन भूमि पर निजी स्वामियों का कब्जा बढ़ता जाएगा। कारण कि जिस प्राइवेट व्यक्ति को सर्वेयर बता कर रखा गया है वह सिर्फ दलाली का कार्य करता है जिसके माध्यम से वन भूमि एवं निजी भूमि स्वामियों के विवाद में अच्छी खासी रकम वसूली की जा रही है।

काम में दम नहीं संपत्ति करोड़ों की

मिली जानकारी अनुसार प्राइवेट सर्वेयर के रूप में कार्य कर रहे रामसिया तिवारी उर्फ शिव तिवारी को वन विभाग द्वारा सीमाकंन कार्य के अनुसार एक निश्चित राशि दी जाती है जिससे परिवार का सिर्फ गुजर वसर हो सकता है लेकिन इनकी वास्तविक संपत्ति की बात की जाए तो करोड़ों में पहुंच गई है। जिसके पीछे असल वजह यह बताई जा रही है कि क्रेशर संचालकों एवं निजी भूमि स्वामियों जिनका विवाद वन भूमि पर कब्जा का है उनसे मोटी रकम लेकर वन भूमि को निजी भूमि स्वामियों के अधिपत्य में कर दिया जाता है, जिसके बदले लाखों रुपए बसूला जाता है। इस कार्य में वन विभाग के मानचित्रकार ज्ञानेंद्र पाण्डेय की अहम भूमिका रहती हैं।

इनका कहना है

आपके द्वारा दी गई जानकारी अनुसार मैं कल ही इसकी जांच करवाती हूं, और अगर ऐसा पाया जाता है तो दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। रही बात ज्ञानेंद्र पाण्डेय के तबादले की तो यह सही है कि उनका तबादला सिंगरौली के लिए हो चुका है, जल्द ही उन्हें रिलीव करने की कार्यवाही की जाएगी।

- प्रीती अहिरवार, वन मंडलाधिकारी सीधी

आक्रोशित परिजनों ने सड़क पर शव रखकर किया चक्काजाम

■ बस मालिक पर लगाये गंभीर आरोप, पुलिस की समझाइश पर खत्म हुआ चक्काजाम

सीधी (नि.प्र.)

बस ड्राइवर की संदिग्ध परिस्थितियों में आज मौत होने पर आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल तिराहा में शव को रखकर चक्काजाम शुरू कर दिया। आक्रोशित परिजन बस मालिक के विरूद्ध मामला पंजीबद्ध करने की मांग पर अड़े रहे। पुलिस अधिकारियों की समझाइस के बाद करीब एक घंटे में चक्काजाम समाप्त हुआ।

मिली जानकारी के अनुसार सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत सोनतीर पटेहरा निवासी भारत कुमार शुक्ला पिता रामपाल शुक्ला उम्र 28 वर्ष सीधी से चितरंगी चलने वाली बस शिवम ट्रेवल्स में ड्राइवर का कार्य करता था। आज दोपहर बस मालिक हनुमान द्विवेदी एवं ड्राइवर भारत शुक्ला के बीच कुछ बातों को लेकर कहासुनी हुई। उसके कुछ समय बाद ही ड्राइवर भारत शुक्ला की तबियत बिगड़ गयी। जिसके बाद बस मालिक द्वारा गंभीर बेहोशी हालत में भारत शुक्ला को जिला अस्पताल पहुंचा कर परिजनों को मोबाइल से कॉल कर सूचना दी गयी। आनन-फानन में जब परिजन जिला अस्पताल पहुंचे तो उनका कहना था कि बिना इलाज के ही भारत शुक्ला बेहोशी हालत में जिला अस्पताल के बरामदे में पड़े थे। इसके बाद उनके द्वारा दौड़धूप कर डॉक्टर को दिखाया गया, जिसे मृत घोषित कर दिया गया। चक्काजाम कर रहे परिजनों का आरोप था कि बस मालिक अपने कब्जे में ही मृतक की मोबाइल को रखा है। यदि उसके द्वारा तत्परतापूर्वक उपचार कराया जाता तो भारत शुक्ला की जान बच सकती थी।

जिस ड्राइवर की मौत हुई है उसके परिजन बस मालिक एवं अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अस्पताल तिराहे में मृतक का शव रखकर चक्काजाम आंदोलन भी किए। हालांकि इस दौरान पुलिस बलों की काफी मौजूदगी रही। करीब एक घंटे के अंदर ही समझाइस के बाद चक्काजाम आंदोलन समाप्त हुआ।

इनका कहना है

मृतक के परिजनों को आश्वस्त किया गया है कि उनके आरोपों एवं मर्ग की जांच होगी। उसमें जो तथ्य सामने आयेंगे उन पर वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

- श्रीमती गायत्री तिवारी, डीएसपी मुख्यालय सीधी

सिंगरौली महोत्सव के दौरान लगने वाले स्टालों के आवेदन किए जा रहे हैं आमंत्रित

बैढ़न। 17 वे सिंगरौली महोत्सव का आगज 24 मई को होने जा रहा जिसका समापन 27 मई को नगर गौरव दिवस के साथ होगा। कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के निर्देशन में सिंगरौली महोत्सव की तैयारियां गठित समितियों द्वारा की जा रही हैं। सिंगरौली महोत्सव अंतर्गत 24 से 27 में तक चुनकुमारी स्टेडियम में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं जिसमें बालीवुड नाईट के तहत जहां सुप्रशिद्ध गायक अपने गाने पेश कर सिंगरौली वासियों का मन मोहेंगे वहीं देश के जाने माने कवि अपने कविता पाठन से सिंगरौली महोत्सव में चार चंद लगाएंगे। साथ ही जिले के स्थानीय कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दिया जायेगा। इस महोत्सव में विभिन्न प्रकार की वस्तुएं एवं खाद्य सामग्री जैसे चाट, नूडल्स आदि के साथ-साथ विभिन्न खेलों के कुल 20 स्टॉल लगाए जाने है। स्टॉल लगाने हेतु इच्छुक विक्रेता अपना आवेदन नगर पालिका निगम कार्यालय में दिनांक 20 मई 2025 तक कर सकते हैं जिसका चयन 21 मई 2025 को लॉट के माध्यम से स्टॉल लगाने हेतु चयन किया जाएगा। स्टॉल हेतु लिए जाने वाला शुल्क 1000 रुपए निर्धारित किया गया है।

सिंगरौली में नहर के बाद अब नाली की चोरी, ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज

सीधी (नि.प्र.)

उर्जाधानी सिंगरौली जिले में बीते दिनों नहर चोरी होने का मामला सामने आया था और अब उसी सिंगरौली जिले में नाली चोरी होने की शिकायत ईओडब्ल्यू तक पहुंची है। नाली चोरी होने की शिकायत नगर निगम आयुक्त ने ईओडब्ल्यू के एसपी से की है, मामला सामने आने के बाद अब हर कोई चोरी की चर्चा कर रहा है।

दरअसल सिंगरौली जिले के नगर निगम के वार्ड नंबर 36 जयनगर में एक नाली का निर्माण कागजों तक सीमित रहा, जबकि इसके एवज में नगर निगम ने ठेकेदार को पूरे 18 लाख 72 हजार राशि का भुगतान कर दिया .इस कागजी नाली की अनुमानित लागत करीब 16 लाख 35 हजार रुपये थी,इस धोखाधड़ी का खुलासा तब हुआ, जब स्थानीय लोगों को पता चला कि उनके घर के सामने एक नाली स्वीकृत हुई है। वास्तविकता में, उस स्थान पर कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ था। स्वीकृत योजना के अनुसार, 400 मीटर लंबी नाली केवल दस्तावेजों में ही अस्तित्व में रही। इस धोखाधड़ी की नींव 4 अगस्त 2023 को रखी गई, जब नाली निर्माण के लिए निविदा आमंत्रित की गई। महाकाल ब्रदर्स जयनगर नामक एक कंपनी को यह ठेका सौंपा गया। इसके बाद, एक कनिष्ठ अभियंता ने कथित कार्य का

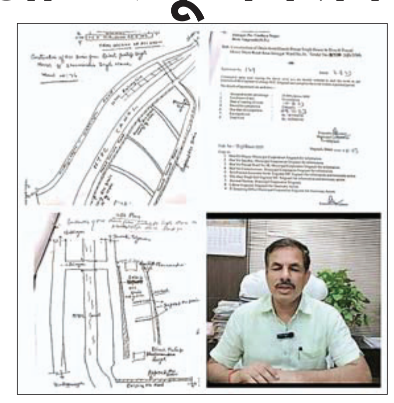

मूल्यांकन माप पुस्तिका में दर्ज कर दिया। निगम के कर्मचारियों ने तो उस स्थान की तस्वीरें भी खिंचवाई, जहाँ नाली 'बननी' थी। इस पूरी 'दस्तावेजी' प्रक्रिया के बाद, 4 मार्च 2024 को ठेकेदार को पूरी भुगतान राशि जारी कर दी गई। अब इस अदृश्य नाली को खोजने के लिए पत्रकारों की टीम नगर निगम के वार्ड क्रमांक 36 के जयनगर में पहुँची, जहाँ स्थानीय लोगों ने इस अदृश्य हुई नाली की बयां किया। स्थानीय लोग इस घटना से बेहद नाराज हैं और दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इनका कहना है

मामले की गंभीरता को समझते हुए, नगर निगम आयुक्त डीके शर्मा ने स्वयं घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने पुष्टि की कि मौके पर किसी भी नाली का निर्माण नहीं पाया गया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले की गहन जांच जारी है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आयुक्त ने इस मामले की शिकायत ईओडब्ल्यू के एसपी से की है।

- डीके शर्मा, नगर निगम आयुक्त सिंगरौली

एनटीपीसी श्रमदान व हस्ताक्षर अभियान का किया आयोजन

सीधी (नि.प्र.)

स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान हर दिन नई गति पकड़ रहा है और इस मुहिम में एनटीपीसी विन्ध्याचल अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यहां चलाए जा रहे प्रभावशाली अभियानों ने न केवल समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित किया, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी को भी मजबूती से स्थापित किया है। इसी क्रम मे एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अवसर पर श्रमदान एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का नेतृत्व ई. सत्य फणि कुमार, कार्यकारी निदेशक (विन्ध्याचल) ने किया। इस अवसर पर संजीब कुमार साहा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), डी.के. अग्रवाल, महाप्रबंधक (संविदा एवं सामग्री), राजशेखर पाला, महाप्रबंधक (प्रचालन), ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस व एडीएम) और राकेश अरोड़ा, प्रमुख मानव संसाधन (विन्ध्याचल) उपस्थित रहे। साथ ही ज्ञान सिंह भाटी और भास्कर चौधरी (सहायक कमांडेंट्स, सीआईएसएफ) एवं उनकी टीम की सक्रिय भागीदारी ने इस सामूहिक संकल्प को और भी मजबूती प्रदान की।

रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर आयोजित होगी विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला

■ प्रभारी मंत्री के नेतृत्व में आयोजित हुई तैयारी बैठक

सीधी (नि.प्र.)

आगामी 31 मई को महान आत्मा पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर की 300 जन्म जयंती है। रानी अहिल्याबाई होलकर के जीवन? एवं उनके राष्ट्र तथा भारतीय समाज एवं सनातन पंथ के लिए किये गये पुण्य प्रयासों को जन जन तक चरितार्थ करने के लिये भारतीय जनता पार्टी अखिल भारतीय स्तर पर कार्यक्रमों की विशेष श्रृंखला आयोजित कर रही है। ये समस्त कार्यक्रम 21 मई से 31 मई तक आयोजित होंगे। शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार जिले मे भी इन कार्यक्रमों की पूरी श्रृंखला का आयोजन किया

जाएगा। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मे इस संदर्भ मे विशेष बैठक का आयोजन हुआ। आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश प्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री एवं प्रभारी मंत्री सिंगरौली की गरिमामय उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथि के रूप में पंचायत राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष कांत देव सिंह, जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, विधायक सिंगरौली, विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम, विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम, सीडा अध्यक्ष दिलीप शाह, पूर्व जिलाध्यक्ष राम सुमिरन गुप्ता, गिरीश द्विवेदी, पूर्व विधायक सुभाष वर्मा, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार, निगम अध्यक्ष देवेश पांडेय, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट शिवम शुक्ला उपस्थित रहे तथा बैठक की अध्यक्षता कार्यक्रम के संयोजक तथा जिला उपाध्यक्ष राजेश तिवारी ने की। जिला मीडिया प्रभारी नीरज सिंह परिहार ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ पुण्य श्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर तथा पितृ पुरुषों के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। कार्यक्रम मे स्वास्थ्य उद्बोधन जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने समस्त अतिथियों तथा कार्यकर्ताओं का स्वागत किया तथा पूर्व दिवस आयोजित तिरंगा यात्रा की सफलता पर सभी को बधाई एवं साधुवाद दिया तथा तिरंगा यात्रा के आगमी कार्यक्रम को विधानसभा एवं मंडल स्थर तक ले जाने के निर्देश दिए। जिलाध्यक्ष ने रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती पर आयोजित होने वाले आगामी कार्यक्रमों के संदर्भ मे संक्षेप मे उल्लेख किया तथा पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होलकर जी के कृतित्व का वर्णन किया।

पुलिस की कांबिंग गस्त में 40 आरोपी गिरफ्तार

सीधी। साप्ताहिक कॉम्बिग गश्त में सीधी पुलिस नें 40 आरोपियों को गिरफ्तार कर 28 गुण्डा बदमाश व 19 निगरानी बदमाशों को चेक कर चेताया, भविष्य मे अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों से दूर रहें। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविंद्र के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं समस्त अनुभागों के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन एवं समस्त थाना/चौकी के थाना/चौकी प्रभारियों के नेतृत्व में दिनांक 17-18 मई 2025 के दरम्यानी रात जिले भर में विशेष अभियान चलाकर सीधी पुलिस नें 6 स्थाई वारंट एवं 34 गिरफ्तारी वारंट कुल 40 वारंट तामील कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया हैं। साथ ही गस्त के दौरान 25 गुण्डा बदमाश एवं 14 निगरानी बदमाशों को कांबिंग गस्त के दौरान चेक कर भविष्य में अपराध कारित न करने की हिदायत दी गई है। कॉम्बिग गश्त में थाना कोतवाली ने 2 स्थाई वारंट एवं 6 गिरफ्तारी वारंट, थाना जमोड़ी ने 4 गिरफ्तारी वारंट, थाना चुरहट ने 1 स्थाई एवं 5 गिरफ्तारी वारंट, थाना रामपुर नैकिन ने 1 स्थाई वारंट एवं 3 गिरफ्तारी वारंट, थाना कमर्जी ने 3 गिरफ्तारी वारंट, थाना अमिलिया ने 1 स्थाई तथा 5 गिरफ्तारी वारंट, थाना बहरी ने 1 स्थाई व 1 गिरफ्तारी, थाना मझौली ने 5 गिरफ्तारी वारंट, थाना मड़वास नें 1 गिरफ्तारी एवं थाना सेमरिया नें 1 गिरफ्तारी वारंट तामील करते हुए आरोपियों को गिरफ्त मे लिया है।

रामकथा — ककरी क्षेत्र में हुआ श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन

राम को अपनाकर सिद्ध कर सकते हैं सभी पुरुषार्थ : पाणि जी महाराज

सीधी (नि.प्र.)

बीते शुक्रवार को श्री शिव मंदिर विकास परिषद के तत्वावधान में एनसीएल, ककरी क्षेत्र के एकलव्य मैदान में आयोजित एक दिवसीय श्रीराम कथा महोत्सव ÷घट-घट व्यापें राम÷ में प्रख्यात कथावाचक श्री पाणि पंकज पाण्डेय (श्री पाणि जी महाराज) ने श्रद्धालुओं को श्रीराम कथा के विविध प्रसंगों की मनमोहक व्याख्या से मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री पाण्डेय ने कथा प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम धर्म के प्रतीक हैं। धर्म का अर्थ है धारण करने योग्य गुण। श्रीराम उन समस्त गुणों का समूह हैं, जिन्हें अपनाकर, अंगीकार कर व्यक्ति चारों पुरुषार्थ-अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष-प्राप्त कर सकता है।

बच्चों व युवाओं को किया प्रेरित

बच्चों और युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन की प्रतिकूलताएं हमारी अंतर्निहित असीम संभावनाओं को उजागर करने का अवसर प्रदान करती हैं। इनका सामना डटकर करना चाहिए और स्वयं को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के समान तराशना चाहिए।

मेधावी छात्र सम्मानित

इस अवसर पर श्री पाण्डेय द्वारा ककरी क्षेत्र के विद्यालयों के उन मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने हाल ही में घोषित बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं।

इनका रहा सहयोग

श्री पाण्डेय ने इस आयोजन की भव्यता और भावपूर्ण संचालन के लिए आयोजन समिति, महाप्रबंधक ककरी क्षेत्र, स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन), जेसीसी सदस्यों, श्री शिव मंदिर विकास परिषद के सदस्यों सहित सभी का आभार व्यक्त किया।

इनकी रही उपस्थिति

इस आयोजन में भारी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालुओं के साथ-साथ महाप्रबंधक ककरी श्री प्रदीप जाना, एनसीएल के कंपनी स्तरीय जेसीसी सदस्य श्री अजय कुमार, श्री श्याम धर दुबे, श्री अशोक पांडेय ककरी परियोजना के अधिकारी, कर्मचारी, स्थानीय विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रोजगार सहायक व जिला पंचायत से परेशान आदिवासी महिला सरपंच इस्तीफा देने को विवश

सीधी (नि.प्र.)

जनपद पंचायत क्षेत्र देवसर के ग्राम पंचायत चटनिहा की आदिवासी महिला सरपंच रोजगार सहायक के कारगुजारी से त्रस्त होकर पिछले एक साल से जिला पंचायत सीईओ के यहां शिकायत की जा रही है। लेकिन जिला पंचायत सीईओ नोटिस तक ही कार्रवाई को सीमित कर रखा है। समस्या का निराकरण करने साहस नही जुटा पा रहे हैं। कहीं न कहीं राजनीति के साथ-साथ अन्य स्त्रोत सामने आ रहे हैं। इस तरह के आरोप ग्रामीण मजदूरों के द्वारा कई आरोप लगाये जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक ग्राम पंचायत चटनिहा के आदिवासी महिला सरपंच सोनकली सिंह द्वारा पंचायत के ग्राम रोजगार सहायक भुवनेश्वर प्रसाद जायसवाल की कारगुजारी से त्रस्त होकर पिछले वर्ष से जनपद एवं जिला पंचायत सीईओ के यहां कई अनियमितताओं को लेकर लिखित एवं प्रमाणित शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद आरोप है कि जिला पंचायत सीईओ रोजगार ग्राम सहायक को नोटिस देकर कार्रवाई सीमित कर दी है। आदिवासी महिला सरपंच का आरोप है कि जीआरएस भुवनेश्वर प्रसाद जायसवाल के द्वारा पंचायत भवन में उपस्थित नही होते और न ही हितग्राहियों के कार्य किये जाते हैं। हितग्राहियों के साथ-साथ सरपंच के फोन को भी रीसिव नही करते। सरपंच ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत अंतर्गत कार्य कर रहे मजदूरों को मस्टररोल न लगाकर अन्य व्यक्तियों का फर्जी मस्टररोल लगाकर राशि आहरित कर ली जाती है और कार्य करने वाले श्रमिको को मजदूरी राशि के लिए दर-दर भटकना प?ता है। ग्राम पंचायत अंतर्गत जीन बेंडरों के द्वारा सामग्री दी गई है, उन बेंडरों का बिल-व्हाउचर न लगाकर जीआरएस अपने गृह ग्राम सरई के बेंडरों के नाम से फर्जी बिल लगा दिया है। जीआरएस पर यह भी आरोप है कि हितग्राहियों से अनुचित राशि की मांग की जाती है। सरपंच ने पूरे दस्तावेजों के साथ कई बार जिला एवं जनपद सीईओ के यहां शिकायत किया। सीईओ ने जीआरएस को पिछले वर्ष 18 नवम्बर को एवं 18 दिसम्बर 2024 को कारण बताओं नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का 30 दिसम्बर को उपस्थित होकर जवाब देने का अल्टीमेटम दिया था। लेकिन जीआरएस ने न तो दबाव दिया और कार्य पर उपस्थित है।

महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं क्षेत्रीय वार्डवासियों की मौजूदगी में भूमिपूजन

कटनी (ब्यूरो)

वर्षा ऋतु के दौरान नगर के वार्डो में जलप्लावन की समस्या का सामना न करना पड़े इस हेतु निगम प्रशासन द्वारा अभी से तैयारियां प्रारंभ की जाकर नगर के छोटे और बड़े नालों की सफाई के साथ ही जलप्लावन वाले संभावित स्थलों में जल निकासी की सुगम व्यवस्था हेतु विकास कार्य कराए जा रहे है। इसी तारतम्य में नगर विकास कार्य को गति प्रदान करते हुए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा रविवार को वीर सावरकर वार्ड के नागरिकों की मौजूदगी में लगभग 32 लाख की लागत से वार्ड के विभिन्न स्थलों पर कराए जाने वाले नाली निर्माण कार्य एवं पुलिया निर्माण कार्य का भूमिपूजन हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण करते हुए क्षेत्रीय नागरिकों को महत्वपूर्ण सौगात दी। भूमिपूज आचार्य अरुण कुमार भट्ट

द्वारा विधिवत पूजन अर्चन किया जाकर संपन्न कराया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, सुभाष शिब्बू साहू, जय नारायण निषाद, श्रीमती बीना बैनर्जी, सहित वार्ड पार्षद राजेश भास्कर, पार्षद शकुंतला सोनी, पूर्व पार्षद विजय डब्बू रजक, समाजसेवी अजय सरावगी सहित क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही। महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य शासन सहित पार्टी के वरिष्ठजनों के सहयोग से नगर में विकास कार्य का सिलसिला अनवरत जारी है। जिसके तहत आज वार्ड स्थित श्रीमती ममता अग्रवाल, नवीन भसीन सहित अन्य विभिन्न स्थलों में लगभग 27.98 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण सहित संत रविदास नगर में 4 लाख रुपये की लागत से पुलिया एवं नाली का निर्माण कराया जा रहा है। उक्त निर्माण कार्य होने से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर यातायात सहित जल निकासी की सुगम व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। नगर विकास का यह सिलसिला आगे भी निरंतर जारी रहेगा। क्षेत्रीय पार्षद राजेश भास्कर द्वारा वार्डवासियों की सुविधा हेतु प्रदान की गई इस सुविधा के लिए महापौर एवं निगम प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया गया तो वहीं वार्डवासियों द्वारा भी विकास कार्यों को स्वीकृत कराए जानें के लिए महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं वार्ड पार्षद राजेश भास्कर का पुष्पगुच्छ से स्वागत करते हुए आभार प्रकट किया गया।

शासकीय महाविद्यालय बरही में सत्र 2025-26 प्रवेश प्रक्रिया हुई प्रारंभ

एईडीपी के अंतर्गत स्किल आधारित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम में भी होंगे प्रवेश

कटनी (ब्यूरो)

शासकीय महाविद्यालय बरही में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू है। राज्य शासन के उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के दिशा निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय बरही जिला कटनी में एक ई डी पी के अंतर्गत स्किल आधारित रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम के अंतर्गत बी.कॉम इन रिटेल ऑपरेशंस, बी.कॉम इन ह्यूमन रिसोर्स ऑपरेशन एवं 3 वर्षीय डिग्री प्रोग्राम बी.ए., बी.एस.सी., बी.कॉम., प्रथम वर्ष तथा स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के लिए प्रवेश प्रारंभ हो गई है। प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी ने बताया कि इन रोजगारोन्मुखी स्किल आधारित पाठ्यक्रमों के अंतर्गत दो वर्ष तक विद्यार्थियों को महाविद्यालय में अध्ययन करना होगा एवं तीसरे वर्ष में कंपनियों, उद्योग एवं अन्य संस्थानों में ट्रेनिंग दी जाएगी

जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी को 8000 रूपए प्रतिमाह ट्रेनिंग के दौरान प्राप्त होंगे इन पाठ्यक्रमों में 30-30 सीटें निर्धारित की गई हैं। डॉ. कन्हैया कुमार विश्वकर्मा विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग एवं ए ई डी पी नोडल अधिकारी ने बताया कि पहले आओ पहले पाओ मेरिट लिस्ट के आधार आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश प्रभारी डॉ. अरविन्द सिंह ने विद्यार्थियों को अपने आस पास के 12वी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ होने एवं प्रवेश लेने के लिये प्रेरित करने के साथ ही शासकीय महाविद्यालय बरही में संचालित पाठ्यक्रमों से संबंधित जानकारी देने हेतु प्रेरित किया गया जिससे कि प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी सहजता से प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर प्रवेश ले सके। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. आर. के. त्रिपाठी, प्रवेश प्रभारी डॉ. अरविन्द सिंहए ए ई डी पी नोडल अधिकारी डॉ. के के विश्वकर्मा, डॉ. मंजूलता साहू, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ के के निगम, डॉ राकेश दुबे, महाविद्यालय स्टॉफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूर्वी ने बढ़ाया मान आदित्य को मिली सफलता

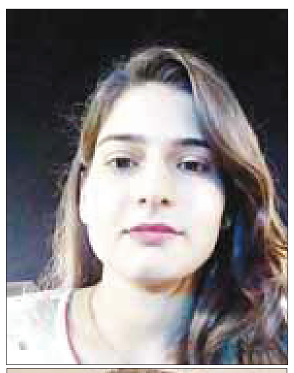

कटनी (ब्यूरो)

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर द्वारा आयोजित एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा के परिणाम विगत दिवस घोषित किये गए। जिसमे कटनी आर्ट्स एण्ड कामर्स ऑटोनॉमस कॉलेज चड्डा ऑटोनॉमस कॉलेज की एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा पूर्वी जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय की मेरिट लिस्ट में स्थान बनाते हुए कटनी शहर का नाम रोशन करते किया। इसी तरह आदित्य जैन ने 65 अंक प्राप्त किये। पूर्वी जैन एवं आदित्य जैन नई बस्ती, सावरकर वार्ड निवासी वरिष्ठ कांग्रेस नेता राकेश जैन कक्का के पुत्र एवं पुतवधु हैं। पूर्वी और आदित्य जैन ने अपनी सफलता का श्रेय परिजनों एवं कॉलेज के प्राध्यापकों को दिया है। शुभचिंतकों एवं स्नेहीजनों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

आधारकाप मार्ग की ओर जाने व निकलने वाली नई रोड का किया निरीक्षण

नागरिकों के सुगम और सुरक्षित आवागमन हेतु डब्ल्यूबीएम रोड का प्रस्ताव तैयार करने उपयंत्री को दिए निर्देश

कटनी (ब्यूरो)

महापौर श्रीमति प्रीति संजीव सूरी के निर्देशन में नगर में विकास कार्यों के साथ साथ नागरिकों को सुगम और बेहतर यातायात की व्यवस्था मुहैया कराने के भी प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा रविवार को मेयर इन काउंसिल सदस्य श्रीमती बीना संजू बैनर्जी एवं निगम के अधिकारियों की मौजूदगी में वेंकट वार्ड स्थित आधार काप मार्ग का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। खिरहनी फाटक से आधारकाप तक लगभग 2 किलोमीटर की सड़क में नागरिकों के आवागमन हेतु नवीन मार्ग की संभावनाओं के चलते कराए जाने वाले मार्ग की सफाई एवं अन्य आवश्यक कार्यों का जायजा लिया गया। इस दौरान स्थानीय नागरिकों की भी मौजूदगी रही। क्षेत्रीय नागरिकों से संवाद के दौरान बताया गया कि मार्ग न होने के कारण वार्ड के नागरिकों को असुविधा होती है साथ ही रेलवे लाइन को पार करने के दौरान अक्सर घटना घटित होने संभावना भी बनी रही है। जिस पर महापौर श्रीमती सूरी द्वारा नागरिकों के सुगम आवागमन को दृष्टिगत रखते हुए सड़क निर्माण कार्य का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश क्षेत्रीय उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी को दिए। उपयंत्री श्री प्यासी द्वारा बताया गया कि मार्ग निर्माण की प्रक्रिया के प्रयास निरंतर जारी है।जिसके तहत मार्ग के निवासियों द्वारा मार्ग निर्माण कराने हेतु सहमति भी प्रदान कर दी गई है। इस मार्ग का निर्माण हो जाने से नई बस्ती एवं खिरहनी फाटक आधारकाप के नागरिकों को आने वाले समय में आवागमन हेतु एक ओर बेहतर मार्ग उपलब्ध हो सकेगा।

कटनी होकर चलेगी उधना गया साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

कटनी (ब्यूरो) समर के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को लियर करने और उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से उधना-गया-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर 6.6 ट्रिप चलाने का निर्णय लिया गया है। यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के इटारसी, जबलपुर, कटनी एवं सतना स्टेशनों से होकर गन्तव्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 09039 उधना-गया साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 23 मई से 27 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को उधना स्टेशन से

रात 22 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी सुबह 8.30 बजे, जबलपुर 11.50 बजे, कटनी दोपहर 13.20 बजे, सतना 14.30 बजे पहुंचकर अन्य स्टेशनों से होते हुए तीसरे दिन रविवार 3.15 बजे गया स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी संया 09040 गया-उधना साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन दिनांक 25 मई से 29 जून तक प्रत्येक रविवार को गया स्टेशन से सुबह 7.10 बजे प्रस्थान कर सतना शाम 18.40 बजे, कटनी रात 20.00 बजे, अगले दिन जबलपुर 21.50 बजे पहुंचकर अगले दिन इटारसी मध्यरात्रि 01.20 बजे अन्य स्टेशनों से होते हुए सोमवार दोपहर 14 बजे उधना स्टेशन पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव चलथान, बारडोली, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंशन, सासाराम और डेहरी ऑन सोन में रुकेगी।

पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

आयोजन को लेकर जिला कार्यालय में आयोजित हुई कार्यशाला

कटनी (ब्यूरो) पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होलकर ने समाज को एक नई दिशा दी। जीर्णोद्धार कर धार्मिक स्थानों को नवीन स्वरूप दे कर इस माध्यम से समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य देवी अहिल्याबाई होल्कर ने किया महिलाओं को स्वरोजगार के माध्यम से उन्हें स्वावलंबी बनाने की उनकी पहल आज भी प्रासंगिक है। भाजपा जिला कार्यालय में देवी अहिल्याबाई जी की 300 वीं जन्म जयंती मनाने को लेकर आयोजित कार्यशाला को सम्बोधित करते यह विचार भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक सोनी टण्डन ने व्यक्त किये। कार्यक्रम की जिला संयोजक अंकिता तिवारी ने 21 मई से 31 मई तक चलने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा रखी। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती अलका जैन ने देवी अहिल्याबाई की सम्पूर्ण जीवन की प्रमुख बातों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देवी अहिल्याबाई हमारे देश मे नारी शक्ति की वह मिशाल थीं जिनका सम्पूर्ण जीवन प्रेरणादायी है। कार्यशाला का संचालन करते महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती सीमा जैन

सोगानी ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि हम पुण्यश्लोका देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती मनाने जा रहे हैं। अहिल्याबाई होल्कर ने समाज खास तौर पर महिलाओं के सशक्तिकरण तथा धार्मिक स्थलों कुएं बावड़ी अन्न क्षेत्र धर्मशाला बनाने का जो पुण्यकार्य किया वह युगों तक अहिल्याबाई होल्कर को जीवित रखकर समाज के लिए प्रेरणादायी बनेगा। जयंती के तहत महिला सम्मेलन, धार्मिक स्थलों में कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, विचार संगोष्टि, काव्य गोष्ठि तथा जन्मदिवस पर 31 मई को अहिल्याबाई जी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

श्रीमद् भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

कटनी (ब्यूरो)

मरही माता मंदिर, आजाद चौक, कटनी में 17 मई से श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन होने जा रहा है। यह सप्ताहिक कथा ज्ञान, भक्ति और आध्यात्मिक उन्नति का एक अनुपम अवसर प्रदान करेगी। मरही माता मंदिर, जो कटनी शहर का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, अपनी पवित्रता और शांति के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर के प्रांगण में आयोजित यह कथा भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। श्रीमद् भागवत कथा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनकी लीलाओं और भक्ति के गहन दर्शन का वर्णन करती है। यह कथा न केवल मनोरंजन करती है, बल्कि जीवन के उद्देश्य, नैतिकता और आध्यात्मिक मार्ग को भी दर्शाती है। कथा के माध्यम से भक्तों को भगवान के प्रति समर्पण, प्रेम

और विश्वास की प्रेरणा मिलेगी। इस आयोजन में कथावाचक पं. रामहर्ष दास महाराज श्री वृंदावन धाम द्वारा कथा का वाचन किया जाएगा, जो भक्तों को भक्ति रस में डुबो देगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक निर्धारित है। आयोजन में भजन, कीर्तन और प्रसाद वितरण जैसे कार्यक्रम भी शामिल होंगे। यह आयोजन सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए खुला है, और इसमें भाग लेकर श्रद्धालु अपने जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भर सकते हैं। मरही माता मंदिर के पंडा, बद्री प्रसाद ने सभी भक्तों से इस पावन आयोजन में शामिल होने का आह्वान किया है। यह कथा न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक मूल्यों को भी बढ़ावा देगी। आइए, इस श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होकर भक्ति और ज्ञान के अमृत का पान करें।

मच्छरों पर नियंत्रण हेतु बड़े पैमाने पर प्रारंभ हुआ फागिंग मशीन से छिड़काव अभियान

नगर के मुख्य मार्गों सहित कॉलोनियों एवं बस्तियों में छोड़ा गया फागिंग मशीन से धुआं

छिड़काव के साथ स्वच्छता जागरूकता गतिविधियां करें संचालित : महापौर

कटनी (ब्यूरो)

नगर निगम द्वारा महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशानुसार वर्तमान मौसम को देखते हुए मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम और आम नागरिकों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नगर में बड़े पैमाने पर फागिंग मशीनों के माध्यम से रासायनिक धुंआ छोड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम द्वारा गठित सायंकालीन टीम द्वारा व्हीकल माउंटेन फॉगिंग मशीन एवं पोर्टेबल फागिंग मशीन के माध्यम से फॉगिंग कार्य कराया जा रहा है।

अभियान के तहत शनिवार रात्रि को मिशन चौक, सुभाष चौक, शासकीय चिकित्सालय पहुंच मार्ग एवं शासकीय चिकित्सालय के अंदरशेर चौक, झंडा बाजार गोल बाजारघंटाघर मार्गचांडक चौक, आजाद चौक, शहीद द्वारगर्ग चौराहा, स्टेशन रोडसिविल लाइन गणेश चोकमाई नदी मार्ग एवं विभिन्न गलीपुराना आई टी आई कार्यालय सहित नगर के अन्य स्थलों में भी फॉगिंग मशीन से रासायनिक धुंआ छोड़कर मच्छरों से राहत प्रदान करने का कार्य किया गया। महापौर श्रीमति प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे ने फागिंग मशीन से छिड़काव कार्य के साथ-साथ आम जनमानस को मच्छर जनित बीमारियों के बचाव हेतु आवश्यक उपाय संबंधी जन जागरूकता फैलाने तथा घरों के आस पास एवं परिसरों में स्वच्छता का वातावरण बनाए रखने संबंधित व्यापक प्रचार-प्रसार करने की कार्यवाही करने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

अवैध शराब बेचने वालों पर उमरियापान पुलिस ने कसा शिकंजा

कटनी (ब्यूरो)

चार ठिकानों में मारी रेड, अवैध शराब सहित पकड़े गए आरोपी

पुलिस अधीक्षक कटनी अभिजीत कुमार रंजन के आदेशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डहरिया के मार्गदर्शन तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस स्लीमनाबाद के दिशा निर्देशन मे अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए थाना स्तर पर अलग अलग क्षेत्र में उमरिया पान पुलिस ने रेड कार्यवाही को अंजाम दिया। अपराध की रोकथाम हेतु दबिश देकर अवैध शराब बेचने वाले आरोपियों ग्राम बरेली के तारा चंद पिता स्वण् तेजी लाल पटेल उम्र 55 सालए ग्राम बरही के छेदी लाल पिता बाबू लाल कोल उम्र 50 साल, ग्राम पचपेड़ी के विनोद पिता चंद्रिका बर्मन उम्र 40 वर्ष, ग्राम टोला के किशोरी पिता सुखलाल बसोर उम्र 50 वर्ष के कब्जे से 15 लीटर कच्ची शराब, 12 पाव देशी शराब कीमत 2700 रुपए की जप्त कर उक्त आरोपियो के विरूद्ध मप्र आबकारी अधि के अन्तर्गत कार्यवाही की गई।

अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने और लोगों की प्यास बुझाने पंचायतों को मिले फायर फाइटर

विधानसभा क्षेत्र में लोगों को सुविधा देने विधायक प्रणय पांडेय सक्रिय

कटनी (ब्यूरो)

गर्मी में पठार क्षेत्र में लगातार गहराते पेयजल संकट और अचानक बढ़ती अग्नि दुर्घटनाओं का एक साथ निदान करने के लिए विधायक प्रणय पांडे ने विधानसभा क्षेत्र की 9 ग्राम पंचायत को नवीन टेक्नालॉजी से लैस फायर फाइटर उपलब्ध कराए है। जिनका अग्नि दुर्घटनाओं पर अग्निशामक उपयोग कर काबू पाया जा सकेगा जबकि सामान्य स्थितियों में इन टैंकरों से गांव के लोगों को पीने का पानी मिलेगा। पठार के गांव के लोगों के लिए ये बेहद कारगर साबित होंगे। कार्यक्रम में विधायक श्री पांडेय ने पंचायत प्रतिनिधियों को फायर फाइटर उपलब्ध कराए।

इन पंचायतो को मिले फायर फाइटर-भीषण गर्मी में लोगों को आग और पानी से राहत दिलाने

ग्राम पंचायत को कुम्हरवारा बाकल पाकर, चांदनखेड़ा, मोहनिया राम देवरी, पहरुआ, चरगवां, अमरगढ़ पंचायतों को फायर फाइटर सौंपे गए हैं।

शीघ्र ही पीने मिलेगा नर्मदा का जल- विधायक प्रणय पांडे ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुसार विधानसभा क्षेत्र के सभी ग्रामों में शीघ्र नर्मदा का जल 24 घंटे उपलब्ध कराया जाएगा इसकी प्रक्रिया चल रही है।पूरे क्षेत्र के हर गांव में नर्मदा जल पहुंचाने की योजना पर अमल शुरू हो गया है। छपरा से पाइप लाइन बिछाने का काम शुरू हो चुका है। मंडल अध्यक्ष डा. पीयूश अग्रवाल, दीपू शुक्ला, लोकेश व्यवहार, सुनील गुप्ता, कृष्णकुमार पटेल, नीलेश जैन, उम्मेद यादव, मुकेश गर्ग, सुरेन्द्र सोनकर, नंदकिशोर पटेल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

पाक को बेनकाब करेंगे सभी दलों के सांसद

भारत सरकार ने सात सांसदों के एक दल का गठन किया है। इसमें सभी महत्वपूर्ण दलों के सांसदों को जगह दी गई है। 7 सांसद सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल के रूप में अमेरिका, यूके, यूएई, दक्षिण अफ्रीका, जापान और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का दौरा करेंगे। विदेश यात्रा के दौरान यह प्रतिनिधिमंडल आतंकवाद से किस तरह का मुकाबला भारत कर रहा है इसकी जानकारी दुनिया के देशों को देंगे। पाकिस्तान किस तरह से आतंकवादियों का पोषण कर रहा है। पाकिस्तान खुद आतंकी देश के रूप में कार्य कर रहा है। यह प्रतिनिधिमंडल विदेश में जाकर पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करेगा। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर क्यों किया गया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत केवल आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया है। इसकी जानकारी सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल एकजुटता के साथ देगा। मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में पहली बार सांसदों को विदेश दौरे पर भेजा जा रहा है। भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू इस प्रतिनिधि मंडल को ऑर्गेनाइज कर रहे हैं।

जल्द ही यह प्रतिनिधिमंडल विदेश का दौरा करके भारत का पक्ष रखने का काम करेगा। मोदी सरकार का कोई भी निर्णय बिना विवाद के पूरा नहीं होता है। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस पार्टी से चार सांसदों के नाम मांगे थे। उनमें से एक नाम केंद्र सरकार को चुनना था। कांग्रेस ने जो चार नाम भेजे उसमें कांग्रेस के सांसद शशि थरूर का नाम नहीं था। कांग्रेस की ओर से आनंद शर्मा, गौरव गोगोई, सैयद नसीर हुसैन और राजा बरार का नाम भेजा था। केंद्र सरकार ने उनमें से किसी सांसद को ना भेज कर अपनी ओर से शशि थरूर को प्रतिनिधि मंडल में शामिल कर दिया। शशि थरूर को लेकर यह माना जा रहा है कि वह जल्द ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। हाल ही में उन्होंने केरल के एक प्रोग्राम में प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा किया था।

वह कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ लगातार बोल बचन कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने सांसदों के इस प्रतिनिधि मंडल में थरूर को शामिल कर कांग्रेस के साथ एक बार फिर नया विवाद पैदा कर लिया है। केंद्र सरकार द्वारा अपने 11 साल के कार्यकाल में पहली बार विपक्ष को विश्वास में लेकर इस प्रतिनिधि मंडल को दुनिया के कई देशों में भेजा जा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार को विवाद से बचना चाहिए था। शायद सरकार जानती थी और चाहती भी यही थी कि शशि थरूर को शामिल करने से कांग्रेस और शशि थरूर के बीच की दूरियां और बढेंगी, जिसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिलेगा। अगले साल केरल में विधानसभा के चुनाव होना हैं। भारतीय जनता पार्टी पिछले कुछ समय से शशि थरूर के कंधे पर हाथ रखकर केरल में कांग्रेस को कमजोर करना चाहती है। सुनियोजित रूप से केंद्र सरकार ने कांग्रेस को आईना दिखाने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी इसको किस तरह से लेती है, इसका पता जल्द ही चलेगा।

विश्व में लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग

✍ किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर एक ज़माना था जब लिंग भेद अपनी चरम सीमा पर था और दुनियां के अनेक देशों में लिंग चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन तेजी से बढ़ा था जिसके कारण लिंग अनुपात में तेजी से डिफरेंस बढ़ता चला गया,इस बीच दुनियां की सरकारें जागी और अनेक ऐसे कार्यक्रम, कानून नियम विनियम,व्यवस्थाएं जन जागरण अभियान चलाए गए जिससे इस कुप्रथा पर नकेल कस्ती चली गई,जो कुछ हद तक इस प्रथा पर नियंत्रण रखनेमें सरकारें कामयाब रही परंतु फिर भी लिंग भेद की यह प्रथा वैश्विक स्तरपर पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है बल्कि चालू है, पर नियंत्रण में है।

इसी क्रम एक दौर भारत में भी एक था,1994 से पहले का जब लिंग चयनात्मक गर्भपात अति तेजी के साथ हुआ था और अधिकतम लोग इस तर्ज पर बेटियों का गर्भ नष्ट कर देते थे, जिसमें स्त्री पुरुष अनुपात में भारी डिफरेंस हो गया इसके पश्चात सरकारें जागी व लिंग चयन प्रतिरोध अधिनियम 1994 बनाया जो 1 जनवरी 1996 को प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (विनियमन व दुरुपयोग निवारण) अधिनियम 1994 लागू किया गया जिसमें 14 फरवरी 2003 को संशोधन कर अधिनियम का नाम गर्भधारण पूर्व और प्रवेश पूर्व निदान तकनीकी (लिंग चयन प्रतिरोध) अधिनियम 1994 रखा गया।बता दें मेरा मानना है कि इस अधिनियम को लाने में देर हो गई थी जिसका परिणाम हम आज हर समाज व धर्म में भुगत रहे हैं क्योंकि,आज 1990 की उम्र के अनेक लड़के अनेक समाजों में हमारे बैठे हैं उस अनुपात में लड़कियां नहीं मिल रही है, क्योंकि आज लड़की वाले एज डिफरेंस की स्थिति को भी देख रहे हैं, इसलिए जो हमने 80-90 के दशक में स्पीड से लिंग चयनात्मक गर्भपात किए थे उसके परिणाम आज उस उम्र के अनुपात में लड़कियों के नहीं मिलने से हो रहा है, जो मैंने प्रत्यक्ष रूप से इसका सटीक उदाहरण अनेक समाजों में देखा हूं। इसलिए ही भारत में भी राष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता है।और 22 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बेटी दिवस भी मनाया जाता हैं अब हंस्ती है बेटियां तो मोती झड़ते हैं,चलती है लहराके तो फूल खिलते हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,विश्व में लिंग चयनात्मक गर्भपात के प्रचलन को जीरो टॉलरेंस पर लाना समय की मांग है, व बेटे को प्राथमिकता देने की परंपराओं को समाप्त कर सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देने को प्राथमिकता देना जरूरी है।

साथियों बात अगर करीब करीब अनेकों समाजों की करें तो जहाँ छोटी लड़कियों को अभी भी बोझ और लड़कों की तुलना में कम मूल्यवान माना जाता है।आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों के कारण बेटे को प्राथमिकता देना सदियों पुराना विचार है, फिर भी यह आज भी एक वास्तविकता है।भारत और चीन में लिंग-चयनात्मक गर्भपात का प्रचलन है,लेकिन इसे एशिया मध्य पूर्व, पूर्वी यूरोप और अन्य जगहों पर भी दर्ज किया गया है। इस उत्सव का उद्देश्य लड़कियों से जुड़े कलंक को पहचानना, बेटे को प्राथमिकता देने वाली परंपराओं को खत्म करना और सभी लिंगों के लिए समान अधिकारों को बढ़ावा देना है।डॉटर्स डे दुनियां भर में माता पिता और उनकी बेटियों के बीच अनोखे रिश्ते का सम्मान करने के लिए मनाया जाने वाला एक खास अवसर है।भारत में,परिवार और समाज में बेटियों के प्यार, सम्मान और महत्व को उजागर करता है।

साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति सहानुभूति पूर्वक और उत्साह से जनजागरण के 5 कारणों की करें तो (1) बेटियाँ परिवारों को पोषित करने और मजबूत भावनात्मक बंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बेटियों की इस भूमिका का जश्न मनाने और परिवार इकाई में उनके योगदान को पहचानने का एक अवसर है। चाहे वह प्यार, देखभाल या जिम्मेदारी के माध्यम से हो,बेटियाँ एक विशेष ऊर्जा लाती हैं जो पारिवारिक जीवन को समृद्ध बनाती है।(2) इसका एक मुख्य उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है भारत में, सामाजिक मानदंडों ने अक्सर बेटों को बेटियों की तुलना में अधिक महत्व दिया है, जिससे महत्वपूर्ण लैंगिक असंतुलन पैदा होता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि बेटियाँ भी उतनी ही मूल्यवान हैं और उन्हें बेटों के समान ही प्यार, शिक्षा और अवसर दिए जाने चाहिए। यह भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण से लड़ने में मदद करता है और लिंग के बावजूद बच्चों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने के विचार को बढ़ावा देता है। (3) कई क्षेत्रों में, पारंपरिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं ने बेटों को प्राथमिकता दी है, खासकर विरासत और पारिवारिक वंश के संदर्भ में। बेटियों का दिन लड़कियों के महत्व और एक संपूर्ण जीवन के उनके अधिकार पर जोर देकर इन पुरानी मान्यताओं को चुनौती देता है। यह उत्सव परिवारों को अपनी बेटियों को उनके लक्ष्यों और सपनों को प्राप्त करने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित करता है, चाहे वे व्यक्तिगत हों या पेशेवर।(4) बेटियों के प्रति जन जागरण सशक्तिकरण के बारे में भी है। यह माता पिता और अभिभावकों को अपनी बेटियों को यह याद दिलाने का मौका देता है कि वे मजबूत हैं, सक्षम हैं और दुनिया द्वारा दिए जाने वाले हर अवसर की हकदार हैं। बेटियों का दिन मनाकर, माता-पिता अपनी बेटियों में आत्मविश्वास पैदा कर सकते हैं, उन्हें अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं और अपने लिए एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। (5) माता-पिता और बेटी के बीच का रिश्ता अक्सर अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव के लिए संजोया जाता है। बेटियों के प्रति जन जागरण माता पिता को विचारशील इशारों, उपहारों या साथ में गुणवत्तापूर्ण समय बिताने के माध्यम से इस बंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। चाहे वह एक साधारण दिल से की गई बातचीत हो, परिवार के साथ बाहर घूमना हो या कोई खास तोहफा हो, यह दिन बेटियों को यह दिखाने का सही अवसर प्रदान करता है कि वे परिवार के लिए कितना महत्त्वपूर्ण मायने रखती हैं।

साथियों बात अगर हम बेटियों के प्रति जन जागरण अभियान की करें तो, दुनियां के कुछ हिस्सों में, लड़के बच्चों को लड़कियों से ज़्यादा महत्व दिया जाता है। यह जन जागरण अभियान लड़के और लड़की दोनों के लिए समान महत्व को बढ़ावा देता है।लड़कियों को शिक्षित किया जा सकता है और उन्हें समान अवसर दिए जाने चाहिए। अपनी बेटी का जश्न मनाएँ। अपनी बेटियों के साथ दिन बिताएँ। उन्हें आपको कुछ ऐसा सिखाने दें जो आप पहले से नहीं जानते। उनकी आकांक्षाओं को सुनें। चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, इस बात का इंतज़ार करें कि हमारी बेटियाँ हमको कहाँ ले जाएँगी। रोमांच हमारे सामने हैं। उत्सवों की तरह ही हमारी बेटियाँ भी कई तरह के व्यक्तित्वों वाली होती हैं। जहाँ एक साहसी और साहसी होती है, वहीं दूसरी हमें पल भर में मात दे देती है। वे तुरंत हमारा दिल जीत लेती हैं। हमारी सहज प्रवृत्ति हमें उनकी रक्षा करने के लिए कह सकती है। हालाँकि, वे भी उतनी ही दृढ़ता से हमारी रक्षा करेंगी। बेटियाँ दुनिया के किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह ही बढ़ने, सीखने और खोज करने की समान हकदार हैं।

धर्माध्यन

प्रभु भक्ति में बीते समय

यह भौतिक जगत प्रकृति के गुणों के चमत्कार के अन्तर्गत कार्य कर रहा है। मनुष्य को चाहिए कि वह अपनी चेतना कृष्ण कार्य में लगाए। कृष्णकार्य भक्तियोग के नाम से विख्यात हैं। इसमें न केवल कृष्ण अपितु उनके विभिन्न पूर्णांश भी सम्मिलित हैं- यथा राम तथा नारायण। कृष्ण के असंख्य अंश हैं, जो उनके किसी भी रूप या पूर्णांश की सेवा में प्रवृत्त होता है, उसे दिव्य पद पर स्थित समझना चाहिए। कृष्ण के सारे रूप पूर्णतया दिव्य और सच्चिदानन्द स्वरूप हैं। ईश्वर के ऐसे रूप सर्वशक्तिमान तथा सर्वज्ञ होते हैं और उनमें समस्त दिव्यगुण पाये जाते हैं। अतः यदि कोई कृष्ण या उनके पूर्णांशों की सेवा में दृढ़संकल्प के साथ प्रवृत्त हो तो (यद्यपि प्रकृति के गुण जीत पाना कठिन है) वह उन्हें सरलता से जीत सकता है। कृष्ण की शरण ग्रहण करने पर प्रकृति के गुणों का प्रभाव लांघा जा सकता है। कृष्णभावनामृत या कृष्ण-भक्ति में होने का अर्थ है, कृष्ण के साथ समानता प्राप्त करना। भगवान कहते हैं कि उनकी प्रकृति सच्चिदानन्द स्वरूप है और सारे जीव परम के अंश हैं। जीव अपनी आध्यात्मिक स्थिति में स्वर्ण के समान या कृष्ण के समान गुण वाला होता है। किन्तु व्यष्टित्व का अन्तर बना रहता है अन्यथा भक्तियोग का प्रश्न ही नहीं उठता। भक्तियोग का अर्थ है कि भगवान और भक्त के बीच प्रेम का आदान-प्रदान चलता रहता है। अतएव भगवान में और भक्त में दो व्यक्तियों का व्यष्टित्व वर्तमान रहता है, अन्यथा भक्तियोग का कोई अर्थ नहीं है। यदि कोई भगवान जैसे दिव्य स्तर पर स्थित नहीं है, तो वह भगवान की सेवा नहीं कर सकता है। उदाहरणार्थ, राजा का निजी सहायक बनने के लिए कुछ योग्यताएं आवश्यक हैं। इस तरह भगवत्सेवा के लिए योग्यता है कि ब्रह्म बन भौतिक कल्मष से मुक्त हुआ जाय। कहा गया है ब्रह्मैव सन्ब्रह्माप्येति। अर्थात मनुष्य को ब्रह्म से एकाकार हो जाना चाहिए। लेकिन ब्रह्मत्व पाने पर मनुष्य व्यष्टि आत्मा के रूप में अपने शात ब्रह्म-स्वरूप को खोता नहीं है।

खेल कूद और देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम

✍ संजय गोस्वामी

देश की प्रतिष्ठा जवानों के नाम है सबसे बड़ा खिलाड़ी देश के सैनिक हैं खेल कूद मानव जीवन के लिए एक वरदान है जो उसे स्वस्थ्य रखने के लिए उपहार स्वरूप मिली है खेल में भाग लेने से सबसे पहला लाभ स्वास्थ्य ही है क्योंकि खेल का मैदान वह स्थान है जो स्वास्थ्य पर एक स्थायी छाप छोड़ता है यह शरीर का एक ऐसा ढ़ाचा तैयार करता है जो चुस्त फुर्तीला और बलिष्ठ होता है खेल शरीर को स्वस्थ और स्फूर्तिमय बनाये रखता है खेल कूद के दौरान शरीर के लगभग सभी अंगों का व्यायाम हो जाता है, शारीरिक व्यायाम को विभिन्न कारणों से किया जाता है जिसमें मांसपेशियों और हृदयतंत्री प्रणाली को सुदृढ़ बनाना, एथलीटिक कौशल को बढ़ाना, वजन घटाना या उसे बनाए रखना तथा मनोरंजन आदि शामिल हैं। अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम आवश्यक है। यदि किशोर शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं हैं तो उनके बीमार होने का जोखिम बहुत है।बार बार और नियमित रूप से किया गया व्यायाम प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है और हृदय रोग, हृदयतंत्री रोग टाइप टू का मधुमेह तथा मोटापे जैसी जीवन शैली से संबंधित बीमारियों की रोकथाम में सहायता करता है। शरीर की मांसपेशिया सुदृढ़ बनती है और काया निरोगी रहती है। एक प्राचीन कहावत है 'पहला सुख निरोगी काया' सत्य ही है कि निरोग शरीर जीवन का सर्वश्रेष्ठ सुख है। जब शरीर स्वस्थ्य होगा तो मनुष्य अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन और जीवन के सुखों का आनन्द उठा सकता है लेकिन आजीवन स्वास्थ्य सुखों का लाभ पाने के लिए शारीरिक क्षमताओं का विकास होना जरुरी होता है जो खेल के मैदान में सरलता से विकसित हो जाता है। खेल का जीवन में समर्पण की भावना विकसित करने में मूल्यवान भूमिका होती है खेल के मैदान में खिलाड़ी निष्पक्षता, न्याय और हार दृ जीत दोनों को समान रूप से ग्रहण करता है अपने प्रतिद्वंदी के प्रति सहज भाव रखता है वह जानता है कि खेल में कभी जीत होती है, तो कभी हार होती है वह अपने प्रतिद्वंदी के बढ़िया खेल की खुलकर सराहना करता है, उसकी जीत पर मुक्त कंठ से बधाई देता है और द्वेष की भावना को पास तक नहीं भटकने देता उसके जीवन में ये सब गुण खेलों से ही तो आते है।

सत्य वचन

नारी की करुणा अंतरजगत का उच्चतम विकास है, जिसके बल पर समस्त सदाचार ठहरे हुए हैं।

- जयशंकर प्रसाद

चरित्र का पतन रोकना होगा

किसी लड़की को यदि यह ज्ञात हो जाए कि फलां लड़का गलत है, तो उससे दूर ही रहना चाहिए। कभी भी मित्र या जीवन साथी के रूप में किसी अपराधी, अराजक, अभद्र, असंयमी, अनुशासनहीन व्यक्ति का चयन नहीं करना चाहिए। किंतु यह कौन बताएगा? इसका सर्वाधिक उत्तरदायित्व माता-पिता पर है। चरित्र निर्माण पर सरकार को भी पूरा ध्यान देना चाहिए। सरकार के पास संसाधन हैं। एक बार मैं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति से मिला, तो उनसे पूछा, 'आपके विश्वविद्यालय परिसर में लड़के-लड़कियां किस रूप में रहते हैं? क्या उन पर आपका कोई नियंत्रण है?' उन्होंने उत्तर दिया, 'हम केवल पढ़ाने के लिए जिम्मेदार हैं। कौन कहां किससे गले मिल रहा है, हमें इससे क्या लेना-देना?'ध्यान दीजिए, यह एक कुलपति के शब्द हैं, जिस पर पूरे विश्वविद्यालय का उत्तरदायित्व है। यदि विश्वविद्यालय परिसर में कुछ गलत हो रहा है, तो इसके लिए सीधे कुलपति की जिम्मेदारी बनती है।

प्राचीन काल में आश्रमों में क्या होता था, अभी आश्रमों में क्या होता है? आश्रम या मठ के प्रमुख पर ही उत्तरदायित्व होता है। लगभग हरेक आश्रम, यहां तक कि अस्पताल में भी व्यवहार की अपनी आचार संहिता होती है, जिसके अनुरूप वहां सबको व्यवहार करना पड़ता है। विश्वविद्यालय तो शिक्षा की इतनी बड़ी संस्था है, उसमें कोई आचार संहिता ही नहीं है कि लड़के कैसे बोलते हैं, कैसे दिखते हैं, किस तरह से व्यवहार कर रहे हैं, क्या सोचते हैं, कोई संहिता ही नहीं है? जब कुलपति को ही संयमित आचार-विचार की चिंता नहीं हो, तब परिसरों में विकृतियों को पनपने व बढ़ने से कौन रोक सकता है?

चिंतन-मंथन

विश्वास की ताकत

एक अंग्रेज अफसर अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ जहाज में सवार होकर सफर पर निकला। रास्ते में समुद्र में जोर का तूफान आया। मुसाफिर घबरा उठे। पर वह अंग्रेज अफसर जरा भी नहीं घबराया। उसकी पत्नी भी व्याकुल हो गई थी। उसने अपने पति से पूछा-इतना खतरनाक तूफान आया है। सबकी हालत खराब है। पर आप इतना निश्चिंत कैसे बैठे हैं?

यह सुनते ही उस अफसर ने म्यान से तलवार निकाली और पत्नी के सिर पर रखकर पूछा- क्या तुम्हें डर लग रहा है? पत्नी बोली-मेरी बात का जवाब न देकर आप यह क्या खेल कर रहे हैं? अफसर ने फिर पूछा- बताओ, तुम्हें डर लग रहा है या नहीं? पत्नी ने कहा- मुझे भला क्यों डर लगेगा? मुझे पता है आप मेरी जान नहीं लेंगे क्योंकि आप मेरे दुश्मन नहीं हैं। आप तो मुझे अपनी जान से ज्यादा चाहते हैं। फिर मैं क्यों डरूं?

इस पर अफसर ने कहा-बिल्कुल सही। जिस तरह तुम्हें मुझ पर भरोसा है उसी तरह मुझे ईश्वर पर भरोसा है। वह हम सब का अभिभावक है। वह हमारा बुरा क्यों चाहेगा? वह तो हमारे पिता के समान है। वह हर संकट में हमारी सहायता ही करेगा। इसलिए तूफान आया है तो वह चला भी जाएगा। जीवन में विश्वास सबसे बड़ी चीज है। इससे हमें बड़ी ताकत मिलती है। हम इसी ताकत के सहारे जीते हैं। इसलिए हमें किसी न किसी के प्रति विश्वास तो रखना ही होगा। वही लोग घबराते हैं या अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाते हैं जिनमें विश्वास की कमी होती है।

लाइक्स की दौड़ में खोती पहचान

✍ प्रियंका सौरभ

सोशल मीडिया पर नारी देह का बढ़ता प्रदर्शन क्या वाकई सशक्तिकरण है या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की होड़? क्या हम सच्ची आज़ादी की ओर बढ़ रहे हैं या एक डिजिटल पिंजरे में कैद हो रहे हैं? क्या आत्मसम्मान की जगह केवल देह की नुमाइश रह गई है? क्या महिलाओं की पहचान अब सिर्फ उनके शरीर के आकार तक सिमट गई है? यह सवाल आज की डिजिटल पीढ़ी के सामने एक बड़ी चुनौती है, जो सशक्तिकरण और आत्मसम्मान के असली मायने खोजने की मांग करता है।

तो सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे?

क्या हो गया है आजकल औरतों को? सोशल मीडिया पर उठते कोलाहल में हर ओर एक ही स्वर गूंज रहा है - देह प्रदर्शन का। कहीं चटकते-फड़कते रील्स में, कहीं भड़कते-उलझते डांस मूव्स में, और कहीं ज़ूम इन होती नज़रों के बीच, बस एक ही प्रदर्शन - अपनी चपल देह की अदा का। मानो देह ही पहचान बन गई हो।

सच पूछे तो इस दौर में देह का कारोबार जितना खुलकर हो रहा है, उतना पहले कभी न हुआ था। सोशल मीडिया ने देह को एक प्रॉडक्ट बना दिया है, जिसे जितना ज्यादा दिखाओ, उतना ज्यादा लाइक्स, फॉलोअर्स और व्यूज़ बटोर लो। मानो आत्मसम्मान का कद अब कमेंट्स की लंबाई और लाइक्स की संख्या से मापा जाने लगा हो। वो जो कभी सभ्यता की पहचान थी, अब डिजिटल हाट बाजार में बिक रही है। जिस समाज में नारी का सम्मान उसकी आंखों की लज्जा, चेहरे की सौम्यता और आचरण की मर्यादा से आंका जाता था, वहां आज उसका अस्तित्व उसके चोली के घेरे और पिंडलियों की नुमाइश में सिमट कर रह गया है।

यह डिजिटल क्रांति का अजीब दौर है, जहां औरतें बोल्ड होने का झूठा अर्थ बदन दिखाने से जोड़ बैठी हैं। यह कैसी आज़ादी है, जहां अपनी पहचान की कीमत देह के टुकड़ों में चुकानी पड़े? औरतें खुद को जिस फेमिनिज्म की आड़ में उभार रही हैं, क्या वो असल में नारी शक्ति का उत्थान है, या महज़ लाइक्स और फॉलोअर्स की दौड़?

सोचिए, इस देह प्रदर्शन की होड़ में कितनी महिलाएं खुद को खो रही हैं? क्या यह वाकई सशक्तिकरण है या एक नया बंधन, जहां औरतें एक डिजिटल पिंजरे में फंसती जा रही हैं, अपनी असली पहचान को खोकर बस एक देह भर बनती जा रही हैं? नारी स्वतंत्रता का अर्थ तो आत्मसम्मान, शिक्षा, और निर्णय लेने की स्वतंत्रता था, न कि केवल बदन दिखाने का अधिकार। ये तो वही हुआ जैसे किसी को सोने की चिड़िया बना दो और फिर पिंजरे में कैद कर दो।

सवाल यह है कि क्या हमें इस डिजिटल कोलाहल से बाहर निकलकर असली स्वतंत्रता का अर्थ समझना होगा? या फिर हम बस लाइक्स और फॉलोअर्स के खेल में उलझकर अपने असली अस्तित्व को खो देंगे? आज सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन चुका है, जहां कुछ महिलाएं खुद को साबित करने के लिए हर हद पार कर रही हैं। कपड़ों का छोटा होना और बोल्ड पोज़ देना ही अगर बोल्डनेस है, तो फिर आत्मविश्वास, शिक्षा, और स्वाभिमान का क्या?

राशिफल

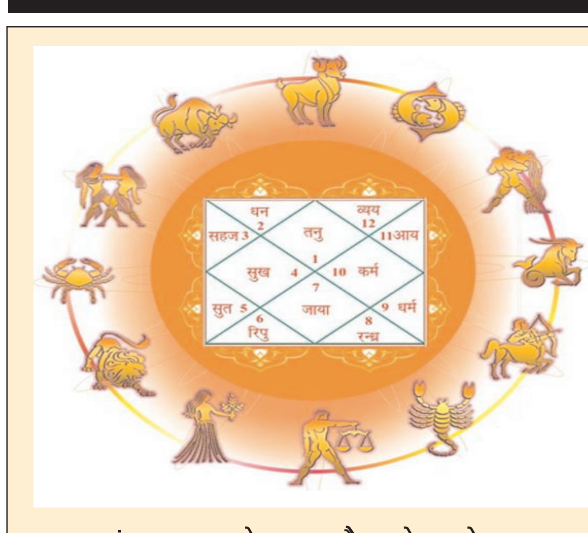

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि सप्तमी, सोमवासरे, श्रवण नक्षत्रे, वृण योग, विव करणे, मकर की चंद्रमा, भद्रा 20/29 पंचक प्रारंभ रात्रि 3/28 सर्वार्थ सिद्ध योग, नवान्न भोजन, औषधि सेवन तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

मेष- धन का व्यय, मानसिक अशांति एवं कष्ट, मन विक्षुब्ध रहे, विलम्ब से रुके कार्य बनेंगे।

वृष- चिन्ताग्रस्त होने से बचें, व्यावसायिक क्षमता अनुकूल अवश्य ही बनेगी, प्रयत्न करते रहें।

मिथुन- तनाव, क्लेश व अशांति, असमर्थता का वातावरण कष्टप्रद होगा, ध्यान अवश्य दें।

कर्क- किसी प्रलोभन से बचें अन्यथा परेशानी में फंस सकते हैं, समय का ध्यान अवश्य रखें।

सिंह- तनाव, क्लेश व अशांति, असमर्थता का वातावरण कष्टप्रद होगा, विचार कर आगे बढ़ें।

कन्या- विवादग्रस्त होने की संभावना है, सोचे हुये कार्य समय पर होंगे, सुख प्राप्ति के योग हैं।

तुला- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझें, कार्यगति में सुधार, कार्ययोजना फलीभूत अवश्य ही होगी।

वृश्चिक- कार्य-कुशलता से संतोष, दैनिक समृद्धि के साधन बनेंगे, व्यावसायिक वृद्धि अवश्य होगी।

धनु- अधिकारियों से तनाव, मित्र वर्ग से उपेक्षा से मन अशांत तथा कार्य में बाधा अवश्य ही होगी।

मकर- मान-प्रतिष्ठा में आंच आने का समय व भय होगा, कार्यगति में बाधा होगी, ध्यान दें।

कुंभ- किसी घटना का शिकार होने से बचें, चोटादि का भय अवश्य ही बनेगा, ध्यान दें।

मीन- स्त्री-वर्ग से हर्ष, सुख मिले, बिगड़े कार्य बनेंगे, समय का लाभ लेवें, कार्य बन ही जायेंगे।

संक्षिप्त समाचार

टगर धाम सरकार के दरबार में लोगों ने लगाई अर्जी

गुलाबगंज। गुलाबगंज के ढोलखेड़ी चौराहे के पास चमत्कारी टगार वाले बाबा के धाम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन अर्जी लगा रहे हैं ।श्री श्री 108 रतन दास महाराज जी पीठाधीश्वर सिद्ध पीठ टगर धाम सरकार का यहां पर प्रति गुरुवार को निशुल्क दरबार लगता है। बताते हैं कि जटिल रोगों की समस्याओं और संतान के लिए लोग महराज के दरबार में पहुंचते हैं। इच्छा पूर्ति के लिए आसपास के काफी श्रद्धालु वहां पहुंच रहे हैं। दरबार में पहुंचे लोग बताते हैं कि दरबार पर मत्था टेकने के बाद उन्हें फायदा मिला है।

29 मई को धूमधाम से मनेगी महाराणा प्रताप जयंती

आष्टा ।महाराणा प्रताप छात्रावास सेमनरी रोड पर महाराणा प्रताप जयंती उत्साह उमंग एवं धूमधाम से मनाने के लिए मेवाड़ा राजपूत समाज की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में 29 मई को महाराणा प्रताप जयंती मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर महाराणा प्रताप जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष सजनसिंह मेवाड़ा और उपाध्यक्ष निर्मल पटेल को मनोनीत किया गया। महाराणा प्रताप जयंती का चल समारोह महाराणा प्रताप चौक गायत्री मंदिर से प्रारंभ होकर सेमनरी रोड स्तिथ समाज की धर्मशाला पहुंचेगा ।बैठक में जीवन सिंह मंडलोई, गजराज सिंह ,नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, देवसिंह मेवाड़ा, महेश मुंदीखेड़ी, अरविंदसिंह जताखेड़ा, दिग्विजय सिंह राजपूत, भगवतसिंह मेवाडा, सोनू मेवाड़ा, रमेश मेवाड़ा, विष्णु पटेल, मोरसिंह राजपूत उपस्थित थे।

विश्व संग्रहालय दिवस पर लगाई प्रदर्शनी

विदिशा। 18 मई विश्व संग्रहालय दिवस के मौके पर पूरे प्रदेश में विभिन्न आयोजन संग्रहालय विभाग द्वारा किए जा रहे हैं। विदिशा जिला संग्रहालय में भी कई प्राचीन प्रतिमाएं मौजूद हैं, जिनकी प्रदर्शनी लगाई गई। खास बात यह है कि प्रदेश के विभिन्न धरोहर स्थलों की तस्वीरों की प्रदर्शनी भी यहां लगाई गई है। इस दौरान पुरातत्व धरोहरों पर शोध करने वाले डॉक्टर गुप्ता विदिशा के समाजसेवी और इतिहासकार गोविंद देवलिया, मनमोहन बंसल, शिवकुमार तिवारी सहित अन्य सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे। स्कूलों के विद्यार्थी भी प्रदर्शनी और संग्रहालय देखने के लिए पहुंच रहे हैं। बताया गया कि विदिशा में आयोजित जिला संग्रहालय के इस कार्यक्रम के दौरान 22 तारीख तक आम नागरिकों को यहां निशुल्क भ्रमण, निरीक्षण और मूर्तियों को देखने का अवसर प्राप्त होगा।

युवक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

विदिशा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सुभाष नगर में रहने वाले 35 वर्षीय सोनू राजपूत को शनिवार देर रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों और परिचितों ने उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ट्रामा सेंटर में उनका इलाज चल रहा है। उनकी मां को गुड्डी बाई ने बताया कि मेहनत मजदूरी कर घर का गुजारा करने वाले सोनू को रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। उनका पैर फैक्चर हुआ है। इसके अलावा अन्य जगह भी चोटें आई हैं। फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

हलाली डेम में डूबने से भोपाल के दो युवकों की दर्दनाक मौत

एसडीआरएफ के गोताखोर ने दोनों युवकों का शव किया बरामद

नगर संवाददाता, विदिशा।

रविवार को करारिया थाने के अंतर्गत ग्राम सलूज के पास हालाली डेम में डूबने से भोपाल निवासी दो युवकों के डूबने से मौत होने का मामला सामने आया है। बताया गया कि देर शाम तक दोनों को खोजने का काम जारी रहा। शाम 6 बजे दोनों के शव पानी से निकाले गए है। जिला अस्पताल में सोमवार को पीएम कराया जाएगा। घटना दोपहर ढाई बजे की है।

जानकारी के अनुसार भोपाल में रहने वाले शहजाद खान उम्र 35 साल, फिरोज खान 23 साल अपने अन्य साथियों के साथ पिकनिक मनाने हलाली डैम के पास आए थे। 6 सदस्यों का दल अपने-अपने काम में लगा था। उनमें से शहजाद और फिरोज बर्तन धोने के लिए पानी के पास आए। उसी दौरान एक युवक पानी में फिसल गया, उसे बचाने के चलते दूसरा युवक भी गहरे पानी में चला गया। घटना दोपहर ढाई बजे की है। साथ आए अन्य युवकों ने अपने स्तर पर दोनों को खोजने का प्रयास किया, लेकिन वह असफल रहे। इस घटना की जानकारी करारिया थाने और खामखेड़ा चौकी को दी गई।

पुलिस की सूचना पर एसडीआरएफ के गोताखोर आपने संसाधनों के साथ कुछ देर बाद ही मौके पर पहुंचे। लगातार खोजबीन के बाद शाम करीब सवा पांच बजे फिरोज के शव को पानी से बाहर निकाला गया। उसके बाद करीब 6 बजे शहजाद के शव को भी खोजकर पानी से बाहर निकाल कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। विदिशा तहसीदार और करारिया थाना टीआई भी मौके पर पहुंच गए थे। दोनों के शवों को शाम 7 बजे के लगभग जिला अस्पताल लाया गया। बताया गया कि दोनों का पीएम सोमवार को किया जाएगा।

हाईटेंशन लाइन टूटी, चपेट में आने से तीन बच्चे झुलसे

संवाददाता, विदिशा। रविवार को पूरनपुरा गली नंबर 4 में एक बड़ा हादसा हो गया। बताया गया कि पूरनपुरा गली नंबर 4 में हाईटेंशन लाइट का तार टूटने से तीन बच्चों को गंभीर रूप से करंट लग गया। जानकारी के अनुसार तीनों बच्चे आपस में खेल रहे थे, तभी अचानक हाई टेंशन लाइन का तार टूटकर बच्चों के ऊपर गिर गया। जिसमें तीनों बच्चों को करंट लग गया। जिसमें एक बच्चा बुरी झुलस गया है। आसपास के लोगों ने तीनों बच्चों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। तीनों बच्चों की उम्र 15 साल के भीतर बताई जा रही है। इस संबंध में घायल बच्चों के परिजनों ने बताया कि बच्चे गली में खेल रहे थे तभी ऊपर से तार टूट कर गिर गया जिससे बच्चे झुलस गए हैं। एक बच्चे की हालात काफी गंभीर बताई जा रही है। वहीं इस संबंध में जिला चिकित्सालय के डॉक्टर का कहना है कि तीन बच्चे अभी जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती हैं। इसमें एक बच्चा हर्ष रैकवार है जिसकी उम्र 12 साल है, जो लगभग 70 से 80 फीसदी जल गया है। बाकी दो बच्चे 20 से 25 फीसदी जले हैं।

51 कुंडीय महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा का समापन

हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारे में छक कर खाई प्रसादी

नगर संवाददाता, विदिशा।

गंज हनुमान मंदिर में महंत महेश्वर दास त्यागी के मार्गदर्शन में चल रहे सात दिवसीय 51 कुंडीय महायज्ञ व श्रीमद्भागवत कथा का भव्य समपन हुआ। रविवार को प्रातः करीब 11 बजे से भंडारे की प्रसादी प्रारंभ हुई जो शाम तक चलती रही। शहर सहित आसपास के क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु समलित हुए और भंडारे की प्रसादी ग्रहण की । गंज हनुमान मंदिर के महंत महेश्वर दास त्यागी के मार्गदर्शन में भव्य व दिव्य धार्मिक अनुष्ठान किया गया। श्रीराम यज्ञ के आचार्य पंडित केशव शास्त्री रहे जबकि दिव्य श्रीमद् भागवत का रसास्वादन श्रीकृष्ण शास्त्री ठाकुर महाराज ने कराया। हनुमान मंदिर के महंत व मुख्य आयोजन त्यागी जी महाराज ने मीडिया के माध्यम से कथा में ज्ञात अज्ञात सभी प्रकार के सहयोगियों का ह्रदय से आभार व्यक्त किया है।

श्रद्धालुओं ने संतों के दर्शन किए

भव्य व दिव्य धार्मिक अनुष्ठान में गंज हनुमान मंदिर पर प्रथम दिवस से ही संत समागम दिखने को मिला। क्षेत्र की जनता ने इन दिव्य संतों के दर्शनों का भी लाभ लिया। मुख्य आयोजक महंत महेश्वर दास त्यागी जी ने श्रीराम यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात यज्ञ में समलित होने पहुंचे हजारों संतों व साधुओं की विदाई दी।

ट्रेक्टर ट्रालियों से लाई गई भोजन प्रसादी

भव्य भंडारे के लिए अनुमान था कि 50 हजार से भी अधिक के जन समुदाय भंडारे की प्रसादी के लिए पहुंचेंगे। जिसके लिए मंदिर समिति ने भी पूर्ण तैयारी की थी। प्रसादी के लिए भोजन शाला में व्यापक व्यवस्था की गई थी। भोजन शाला तक सामाग्री पहुंचाने के लिए ट्रेक्टर ट्रालियों का सहयोग लिया गया था। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार से कोई समस्या न हो इसलिए भोजन प्रसादी परोसने के लिए अनेक टोलियां भी बनाई गई। जिसकी जिम्मेदारी श्रद्धालुओं ने स्वयं ही उठा रखी थी। बेतहर व्यवस्था की खूब प्रशंसा हुई।

पोल लगाने गड्ढा खोदकर भूला बिजली अमला

नगर संवाददाता, विदिशा।

सुदामा पुरी स्थित शिव मंदिर के पास लगा बिजली का पोल कभी भी धराशाई हो सकता है। यहां पर बिजली विभाग की लापरवाही सामने आ रही है। बिजली विभाग द्वारा नया पोल लगाने के लिए पांच दिन पहले गढ्ढा खोदा गया लेकिन इसके बाद बिजली विभाग ने कोई सुध नहीं ली है। अब गड्ढा हादसे का कारण बना हुआ है। सुदामा पुरी स्थित शिव मंदिर के पास विद्युत पोल लगा हुआ है जो पिछ्ले कई सालों से तिरछा हो गया था। जिसकी शिकायत कई बार बिजली विभाग को की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। 5 दिन पहले

बिजली विभाग ने नया पोल लगाने के लिए पुराने पोल के पास गढ्ढा किया। जहां से प्रतिदिन सैकड़ो जन एवं वाहन का आना जाना होता है सैकड़ो लोग मंदिर भी पहुंचते हैं। ये गढ्ढा भी पुराने पोल से चिपक कर किया गया है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

वेदांत भारद्वाज का क्रिकेट लीग में हुआ चयन

विदिशा। मगधम इंटरनेशनल स्कूल के छात्र वेदांत भारद्वाज का एससीएल टी-20 क्रिकेट लीग बॉलर के रूप में सिलेक्शन हुआ है। उनका यह सिलेक्शन जबलपुर में स्टेट लेवल

अंडर 14 में ट्रायल के बाद हुआ है। जिसमें अब वह देहरादून में खेलने के लिए जाएंगे। अगर इस लीग में अच्छा प्रदर्शन देते है तो उनके लिए आईपीएल में जाने की संभावना होगी। संस्था प्राचार्य रचना नायर ने छात्र की इस उपलब्धि पर उन्हें शुभकामनाएं दी और कहा कि यह उपलब्धि वेदांत की कड़ी मेहनत का फल है।

खरीदी केन्द्र श्री नाथ वेयरहाउस में 3200 क्विंटल मिलावटी मसूर मिली, केंद्र सील

नगर संवाददाता, विदिशा।

रविवार को सियलपुर सहकारी समिति के उपार्जन केंद्र श्री नाथ वेयरहाउस को उपार्जन की जांच करने पहुंचे अधिकारियों के जांच दल ने सील कर दिया। वेयर हाउस में 3200 क्विंटल मिलावटी मसूर रखी पाई गई थी। इस अनियमितता के चलते जांच दल ने श्री नाथ वेयरहाउस को सील कर दिया। दरअसल 16 मई को मसूर खरीद में गड़बड़ी की सूचना मिलने पर एसडीएम हर्षल चौधरी, कृषि विभाग एएसडीओ वीरेंद्र मालवीय एवं जिला विपणन संघ अधिकारी वेयरहाउस में उपार्जन की जांच करने पहुंचे थे। तब इन अधिकारियों को दो बड़े ढेर में करीब 200 क्विंटल खराब क्वालिटी की मसूर रखी मिली थीं। जिसमें

भारी मात्रा में रेत और मिट्टी की मिलावट की गई थी। रविवार को दोपहर में विदिशा से डीएमओ कल्याण सिंह ठाकुर, एडीए महेंद्र सिंह ठाकुर और डिप्टी कमिशनर सहकारिता पी.एस. बरोटिया उपार्जन केन्द्र की जांच करने पहुंचे। जांच दल द्वारा 8 स्टॉक की क्रॉस चेकिंग की गई। स्टॉक नंबर 32-33 से लिए गए सैंपल में मिट्टी और कचरे की निर्धारित मात्रा से अधिक मिलावट पाई गई । एक स्टॉक में 1600 क्विंटल मसूर का संग्रहण रहता है। इस तरह करीब 3200 क्विंटल मिलावटी मसूर सियलपुर सहकारी समिति के खरीद केंद्र श्री नाथ वेयरहाउस में रखी पाई गई। मसूर में पाई गई गड़बड़ी पर खरीद केंद्र के समिति प्रबंधक वीरनारायण सक्सेना और सर्वेयर ने बताया कि यह वेयरहाउस मोहित रघुवंशी का है। इसमें उनका हस्तक्षेप रहता है हमने जितना माल तुलवाया है उसका रिकॉर्ड हमारे पास है।

नम्रता मीणा ने किया गौरवांवित

विदिशा। वात्सल्य स्कूल की वाणिज्य संकाय की छात्रा कुमारी नम्रता मीणा ने रिकॉर्ड तोड़ नंबरों से 12वीं कक्षा में पास होकर जिले एवं प्रदेश का नाम

गौरवान्वित किया है। कुमारी नम्रता मीणा का सपना है की वह अपने पिता के काम में सहयोग करें इसलिए वह सीए बनना चाहती है क्योंकि नम्रता के पिता विदिशा के एक जाने माने एडवोकेट हैं और उनका सीए से बहुत काम पड़ता है। ज्ञात रहे की कालूराम मीणा एक सफल शासकीय अभिभाषक भी रह चुके हैं। उनकी दो पुत्रियां भी उच्च शिक्षा प्राप्त कर चुकी हैं अब यह तीसरे नंबर की पुत्री भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने जा रही है।

श्री राधाकृष्ण मंदिर में यादव महासभा की बैठक आयोजित

जाति जनगणना में नाम दर्ज कराने कमेटी बनाने पर चर्चा

नगर संवाददाता, विदिशा।

रविवार को श्री राधाकृष्ण मंदिर रामलीला चौराहा विदिशा में यादव महासभा की बैठक की गई। जिसमें प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला संरक्षक/मार्गदर्शक गण के साथ-साथ जिला, ब्लाक कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने जातिगत जनगणना के समय यादव समाज को जनगणना में कॉलम नंबर 165 में अपनी जनगणना की जानकारी दर्ज करने के विषय में एक कमेटी बनाई जाने व सभी को इस विषय में जागरूक करने की बात कही। जिला अध्यक्ष

फौजी रविंद्र यादव ने 1962 की भारत चीन युद्ध के योद्धाओं के खून से सनी माटी की शौर्य कलश यात्रा अगस्त माह में विदिशा में निकाली जाएगी जिसके प्रभारी पूर्व सैनिक संदीप यादव को बनाया गया। मेधावी छात्र छात्रों का सम्मान समारोह व आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्रों को सहायता का कार्यक्रम जून माह में किया जाएगा। इसके संयोजक जितेंद्र यादव व सह संयोजक नरेंद्र यादव को नियुक्त किया गया।

विगत दिनों अशोकनगर में पूर्व विधायक गोपाल चौहान डिग्गी द्वारा यादव समाज पर की गई टिप्पणी का विरोध पत्र जारी किया जायेगा। समाज के बेरोजगार शिक्षित/ अशिक्षित युवाओं के लिए रोजगार व व्यापार के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया जाए, जिसका संचालन बृजेश यादव व सत्येंद्र यादव द्वारा किया जायेगा। दहेज में मिलने वाले सामान व रूपयों के सार्वजनिक प्रदर्शन पर रोकथाम की जाएगी व विवाह आदि कार्यक्रमों में फिजूल खर्ची कम करना व सामूहिक विवाहों को बढ़ावा दिया जाए, सोने के आभूषणों द्वारा किए जाने वाले व्यवहार को कम करना।

विहिप ने भूतपूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

नगर संवाददाता, विदिशा।

भारत-भारती में विश्व हिंदू परिषद के परिषद शिक्षा वर्ग में रविवार को बैतूल के प्रबुद्ध लोगों की उपस्थिति में प्रांत संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह ने भूतपूर्व सैनिकों को गमछे पहनाकर सम्मानित किया।

प्रांत गौरक्षा प्रमुख कृष्णकांत गावंडे ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद का दस दिवसीय परिषद शिक्षा वर्ग 9 मई से प्रारंभ है। आज 19 मई तक चलने वाले परिषद शिक्षा वर्ग में शिक्षार्थियों को केंद्रीय, प्रांतीय अधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। उन्होंने बताया कि यह परिषद शिक्षा वर्ग प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को समाज में जाकर कार्य करने के लिए शारीरिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को नेतृत्व, सामाजिक समरसता, राष्ट्र सेवा और संगठन के मूलभूत सिद्धांतों की शिक्षा दी जाएगी।

बैठक | बाल विहार के पास सब्जी विक्रेताओं की बैठक हुई

पुलिस अधीक्षक ने साइबर ठगी से बचने के बताए उपाय

नगर संवाददाता, विदिशा।

रविवार को बाल विहार के पास सब्जी विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। जिसमें एसपी रोहित काशवानी, पूर्व व्यापार महासंघ महामंत्री घनश्याम बंसल सहित अन्य लोग शामिल हुए। इस अवसर पर एसपी रोहित काशवानी ने कहा कि सायबर क्राइम से बचने के लिए आप लोगों को सतर्क रहना होगा क्योंकि वर्तमान में साइबर ठगी के मामले बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने सब्जी विक्रेताओं से कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए अनजाने कॉल पर विश्वास न करें और अगर अनजान नंबर से कोई इस प्रकार का फोन आता है तो इसकी जानकारी तुरंत संबंधित थाने को दें। जिससे कि साइबर ठगी करने वाले लोगों को पकड़ने में आसानी हो सके। उन्होंने कहा कि अगर कोई अनजान कॉल

आता है तो उससे डरे नहीं और सावधानी रखते हुए उसकी जानकारी पुलिस विभाग को दें। वर्तमान में साइबर ठगी के मामले दिन ब दिन बढ़ते जा रहे हैं। साइबर ठगी करने वाले लोग भोले भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर ठगी को अंजाम देते हैं। साइबर ठगी से बचने के लिए सरकार द्वारा भी जोर-शोर से प्रचार प्रसार किया जा रहा है ताकि लोग जागरुक हो सकें और ऐसे ठगी करने वाले लोगों से बचा जा सके। उन्होंने सब्जी विक्रेताओं को साइबर ठगी से बचने के लिए विशेष नियम बताएं और जागरूक रहने की अपील की।

इस अवसर पर व्यापार महासंघ के पूर्व महामंत्री घनश्याम बंसल ने भी सब्जी विक्रेताओं को साइबर ठगी से कैसे बचा जाए इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी और कहा की अनजाने कॉल अगर आते हैं तो उसकी जानकारी तुरंत संबंधित थाने में दी जाए और किसी को भी अपने खाता और अन्य दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध न कराई जाए। जिससे कि आप साइबर ठगी से बच सकते हैं। इसके साथ ही नाटक के माध्यम से सब्जी विक्रेताओं को साइबर ठगी से बचने के उपाय बताए गए।

इलेक्ट्रीशियन संघ की सदस्यता बैठक संपन्न

विदिशा। इलेक्ट्रीशियन संघ संबद्ध भारतीय मजदूर संघ की सदस्यता बैठक संपन्न हुई। बैठक में भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख एवं इलेक्ट्रीशियन संघ के संरक्षक महेंद्र सोनी के मुख्य आतिथ्य एवं इलेक्ट्रीशियन संघ के अध्यक्ष संदीप नामदेव की अध्यक्षता में एवं विशेष अतिथि इलेक्ट्रीशियन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल सिंघवी एवं इलेक्ट्रीशियन संघ के महामंत्री चरण सिंह लोधी के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुई।

बैठक में उपस्थित सभी इलेक्ट्रीशियनों ने इलेक्ट्रीशियन संघ का फॉर्म भरकर विधिवत सदस्यता ग्रहण कर संघ की रीति नीति एवं संगठित होने का पाठ पढ़ाया गया।

आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने दिया प्रशिक्षण

नगर संवाददाता, विदिशा।

देश की बाह्य एवं आन्तरिक परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा दिये गये निर्देशों के पालन में एसएटीआई पॉलिटेक्निक परिसर में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में एसडीईआरएफ टीम द्वारा 120 छात्र-छात्राओं को आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन की सहायता करने के लिए आवश्यक तकनीकी व व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। जिला सेनानी मंयक कुमार जैन, प्लाटून कमाण्डर रश्मि दुबे एवं उनकी एसडीईआरएफ टीम ने छात्र-छात्राओं को आपदा प्रबंधन,

प्राथमिक उपचार, हवाई हमले के बाद बचाव एवं राहत कार्यो की जानकारी एवं घर में उपलब्ध होने वाली वस्तुओं से स्ट्रेचर तथा अन्य राहत सामग्री बनाने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य विपरीत परिस्थितियों में जागरूक एवं सक्षम बनाना रहा ताकि वह आवश्यकता पड़ने पर समाज की सेवा में योगदान दें।

सिटी स्पोर्ट्स

अनिशा और गीता अर्जेंटीना में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

रायपुर। बैंग्लोर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही जूनियर इंडिया कोर टीम में शामिल प्रदेश की अनिशा साहू और गीता यादव का चयन अर्जेंटीना के रोसारियो में खेले जाने वाले 4 नेशन हॉकी टूर्नामेंट के लिए किया गया है। यह टूर आने वाले समय में आयोजित जूनियर महिला वर्ल्ड कप 2025 की तैयारियों को लेकर किया जा रहा है। 24 सदस्यों वाली टीम में से ही उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन दिसंबर में होने वाले एफआईएच हॉकी जूनियर महिला विश्वकप के लिए किया जायेगा।

ज्ञात हो कि अनिशा साहू विगत 4 वर्षो से जूनियर टीम की सदस्य के रूप में शामिल है तथा गीता यादव भी विगत 2 वर्षों से जूनियर इंडिया टीम के सदस्य के रूप में शामिल हुई है और उन्होने अपने खेल के प्रदर्शन के आधार पर यह जगह बनाई है। छत्तीसगढ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि अर्जेंटीना के रोसारियो में आगामी 25 मई से 2 जून तक आयोजित होने वाले 4 नेशन टूर्नामेंट में चार देश – अर्जेंटीना, उरुग्वे, चिली और भारत भाग लेंगे। भारतीय टीम अपने प्रदर्शन का मूल्यांकन करने, टीम संयोजनों का आकलन करने और रणनीतियों को परिष्कृत करने के लिए भाग लेने वाले प्रत्येक देश के खिलाफ दो मैच खेलेगी। अनिशा बेल्जियम, नीदरलैंड और जर्मनी का दौरा कर चुकी है, भारतीय हॉकी टीम की ओर से यह उसका तीसरा दौरा होगा जब वह जूनियर महिला इंडिया टीम की ओर से प्रतिनिधित्व करेगी। इसके साथ ही गीता यादव ने भी बहुत कम समय में यह मुकाम हासिल किया है। उसने 2 वर्ष के भीतर ही टीम में अपना स्थान बनाया है। गीता पूर्व में नीदरलैंड और बेल्जियम का दौरा कर चुकी है। छत्तीसगढ हॉकी के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि गीता यादव कबीरधाम जिले के ग्राम बोड़ला की रहले वाली है। जिन्हे शुरूआती समय में उनके पहले कोच शिव सिंह चौहान ने हॉकी खेलना सिखाया। कुछ समय बाद उन्होंने राजनांदगांव में रहकर कोच अनुराज श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में हॉकी के गुण सीखे है। उसके बाद उनका चयन खेलो इंडिया सेंटर बहतराई बिलासपुर के लिए हुआ था। दोनो ही खिलाडी विगत कई वर्षों तक छत्तीसगढ़ हॉकी की ओर से राष्ट्रीय स्पर्धाओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकें है। टूर्नामेंट में भारत अपना पहला मैच चिली के साथ खेलेगी।

खेलो इंडिया बीच गेम्स में छत्तीसगढ़ के तीन निर्णायक

रायपुर। भारत सरकार खेल मंत्रालय एवं भारतीय खेलप्राधिकरण के द्वारा आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स 19 से 24 मई को घोंगला बीच दमन एंड दीव में आयोजित हो रहा है। प्रतियोगिता में पेंचाक सिलाट खेल के लिए छत्तीसगढ़ के तीन निर्णायकों को आमंत्रित किया गया है। जिनमे शेख समीर बिलासपुर, ममता पांडे बस्तर, लेखा सोनी राजनांदगांव शामिल है। प्रदेश संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मनीष बाग, वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी सुशील मिश्रा, प्रदेश एथलेटिक संघ के महासचिव अमरनाथ सिंह, पैरालंपिक जूडो संघ के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष गोयल, मनीष निषाद, सूर्यकांत वर्मा, अभिषेक देवांगन, शेख अरबाज अली, आशीष जायसवाल तांडी ने बधाई दी है।

खेलो इंडिया में छत्तीसगढ़ मल्लखंब टीम दीव रवाना

रायपुर। केन्द्र शासित प्रदेश दीव के घोघला बीच में 19 से 21 मई तक आयोजित होने वाले प्रथम खेलो इंडिया बीच गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ की मल्लखंब टीम 17 मई को दीव के लिए रवाना हुई। छत्तीसगढ़ की मल्लखंब टीम में बालिका वर्ग से मोनिका पोटाई ,नारायणपुर दुर्गेश्वरी कुमेटी,नारायणपुर अनिता गोटा,नारायणपुर सरिता पोयम,नारायणपुर संतय पोटाई, नारायणपुर रोशनी धीवर, बिलासपुर पुरुष टीम राकेश कुमार वढ़दा, नारायणपुर मानू ध्रुव,नारायणपुर राजेश सलाम, नारायणपुर मोनू नेताम,नारायणपुर संतोष सोरी,नारायणपुर और प्रतीक बंजारे बिलासपुर शामिल हैं। अधिकारियों की टीम में डॉ मिलिंद भानदेव, कोच बिलासपुर सौरव पाल,कोच,नारायणपुर पूनम प्रसाद, प्रबंधक,नारायणपुर मनोज प्रसाद, तकनीकी अधिकारी नारायणपुर शामिल है। यह जानकारी प्रेमचंद शुक्ला, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मलखंब संघ ने दी।

लिवर-किडनी के लिए कम उम्र से ही बरतें सावधानियां

लिवर-किडनी को सेहतमंद रखना पहली जरूर गांठ बांध लें कुछ बातें तो नहीं उठानी पड़ेगी मुश्किलें

लिवर और किडनी दोनों ही हमारे शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों में विशेष भूमिका निभाती हैं। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने, मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और खून को फिल्टर करने के लिए भी इनका ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक है।

लिवर और किडनी हमारे शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं, हालांकि लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने इन दोनों अंगों की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित किया है। हम क्या खाते हैं, किसी तरह का जीवन जीते हैं, इन सभी का हमारे स्वास्थ्य पर असर हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ कम उम्र से ही सेहत की देखभाल को लेकर अलर्ट रहने की सलाह देते हैं।

लिवर और किडनी दोनों ही हमारे शरीर के महत्वपूर्ण कार्यों में विशेष भूमिका निभाती हैं। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने, मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने और खून को फिल्टर करने के लिए भी इनका ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक है।

खान-पान, जीवनशैली को ठीक रखने पर दें ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर-किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सही खान-पान, जीवनशैली को ठीक रखने के साथ कुछ विशेष सावधानियां भी जरूरी हैं। कई शोध बताते हैं कि इन दोनों अंगों को हमारी जिस एक आदत के कारण सबसे ज्यादा क्षति हो रही, शराब पीना उनमें से एक है। शराब से लिवर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है, इससे फैटी लिवर और सिरोसिस जैसी दिक्कतों का खतरा बढ़ जाता है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, लंबे समय तक अत्यधिक मात्रा में शराब का सेवन लिवर और किडनी फेलियर के खतरे को कई गुना तक बढ़ा देता है।

प्रोसेस्ड फूड और अधिक नमक से करें परहेज

प्रोसेस्ड फूड में हाई सोडियम और इसे लंबे समय तक बचाए रखने के लिए केमिकल्स होते हैं, जो किडनी की कार्यप्रणाली पर असर डालते हैं और उच्च रक्तचाप को बढ़ावा देते हैं। जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी की एक रिपोर्ट अनुसार, ज्यादा नमक खाने से किडनी की कार्यक्षमता पर नकारात्मक असर हो सकता है। अत्यधिक नमक के कारण लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है।

इन बातों का भी रखें ध्यान

लिवर-किडनी को स्वस्थ रखने के लिए कम उम्र से ही सभी लोगों को कुछ और सावधानियां बरतनी चाहिए। तंबाकू से दूरी बनाएं। इसमें मौजूद टॉक्सिन्स लिवर और किडनी दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। कम पानी पीना भी खतरनाक है। पानी शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है, ऐसे में कम पानी पीने से शरीर में विषाक्तता बढ़ सकती है।

पेनकिलर या एंटीबायोटिक दवाओं का ज्यादा सेवन भी लिवर और किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। व्यायाम से वजन, ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। जो लोग व्यायाम नहीं करते हैं उनमें भी लिवर-किडनी की समस्याएं अधिक देखी जाती हैं।

हार्ट को नुकसान पहुंचा सकती हैं ये डाइट हैबिट्स, बचकर रहें

जब भी खुद को सेहतमंद रखने की बात होती है तो हम सभी सिर्फ वजन कम करने पर ही फोकस करते हैं और हार्ट हेल्थ को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। शायद यही वजह है कि आज के समय में कम उम्र में ही लोगों को ब्लड प्रेशर व हार्ट अटैक की समस्या हो रही है। क्या आपको पता है कि हमारे दिल पर हमारी रोज़मर्रा की खाने-पीने की आदतों का काफी असर पड़ता है, बस हमें इसका पता नहीं चलता।

कई बार हम टीवी देखते-देखते एक्स्ट्रा चिप्स खाना या फिर स्वाद के चक्कर में बटर से लदा दूसरा पराठा खा लेना या फिर खाने के साथ कोल्ड ड्रिंक पीने की आदत कहीं ना कहीं अनजाने में हमारे दिल पर असर डालती हैं। यहां तक कि लोगों को इस बात की जानकारी तक नहीं होती कि कौन-सी चीज़ें धीरे-धीरे उनके दिल की सेहत बिगाड़ रही हैं। उन्हें इस बात का जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हाई कोलेस्ट्रॉल या हाई बीपी की समस्याएं सब एक दिन में नहीं होती, बल्कि ये सालों की लापरवाह खाने-पीने की आदतों का नतीजा होता है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको कुछ ऐसी ही डाइट हैबिट्स के बारे में बता रही हैं, जो आपके दिल को काफी हद तक नुकसान पहुंचा सकती हैं-

बहुत ज्यादा तली-भुनी और ऑयली चीज़ें खाना

हम सभी को पकौड़े, समोसे, भटूरे और स्ट्रीट फूड खाना बहुत पसंद आता हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि ये चीजें आपकी सेहत खासतौर से आपके दिल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इन्हें बार-बार खाने से शरीर में चर्बी जमा होने लगती है। ये चर्बी हमारी नसों को ऐसे ब्लॉक कर देती है और फिर दिल को खून पंप करने में दिक्कत होने लगती है। इसलिए, जहां तक संभव हो, आप तली-भुनी और ऑयली चीज़ें खाने से बचने की कोशिश करें। अगर आपका इन चीजों को खाने का मन है तो ऐसे में आप एयर फ्रायर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ज़रूरत से ज़्यादा नमक खाना

अक्सर हम ऐसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, जिन्हें बहुत अधिक नमक होता है और हम अनजाने में उसे खाते हैं। अचार, पापड़, चिप्स, रेडी-टू-ईट नूडल्स और यहां तक कि केचअप में भी ढेर सारा नमक छिपा होता है। ज़्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। जब बीपी हाई होता है तो ऐसे में आपके दिल को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती है। इसलिए, खाना बनाते वक्त नमक कम डालो। पैकेट वाले खाने के लेबल ज़रूर पढ़ो। ताज़ा घर का बना हुआ फूड खाना प्रोसेस्ड चीज़ों से बेहतर है।

बहुत ज्यादा मीठा खाना

हम सभी को मीठा खाना काफी अच्छा लगता है। गुलाब जामुन, केक, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक जैसी चीजों को खाने से वज़न बढ़ता है और इससे ब्लड शुगर पर भी असर पड़ता है। जिससे डायबिटीज़ का रिस्क बढ़ जाता है। यह तो हम सभी जानते हैं कि डायबिटीज़ का दिल की बीमारियों से सीधा कनेक्शन है। इसलिए मीठे से परहेज करने की कोशिश करें। अगर आपका मीठा खाने का मन है ।

शहद के नाम पर मिल रहा है चीनी का सिरप, असली को ऐसे पहचानें

बाजार में चमचमाते जार में बंद मीठा-सा सिरप देखकर हम यह मान लेते हैं कि वह शुद्ध शहद है। दुकानदार भी अक्सर यही दावा करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि जिसे आप 'हनी' समझ रहे हैं, वह असल में क्या है?

बहुत बार यह सिर्फ शहद का नाम लेकर बेचा जा रहा चीनी का सिरप होता है। इसमें केमिकल्स मिलाए जाते हैं और रंग डालकर इसे शहद जैसा बनाया जाता है। यह न सिर्फ आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी कमजोर करता है।

ऐसे में आपके काम आएंगे दादी और नानी के वे नुस्खे जिनकी मदद से आप असली शहद ढूंढ निकालेंगी। यह लेख आपको न केवल असली और नकली शहद में फर्क करना सिखाएगा, बल्कि आपको खरीदारी करते वक्त किन चीजों को ध्यान रखना है, वो भी बताएगा।

शहद में मिलावट कैसे होती है?

शहद में मिलावट कई तरीकों से की जाती है। इसमें सबसे आम तरीका है ग्लूकोज, शुकरोज या फ्रक्टोज सिरप को शहद में मिलाना। यह सिरप बाजार में सस्ता और आसानी से उपलब्ध होता है, जिससे शहद की मात्रा बढ़ाई जाती है।

ब्राउन राइस सिरप को शहद में मिलाना एक नई तकनीक है जिससे नकली शहद असली जैसा दिखता है। यह ट्रांसपेरेंट और गाढ़ा होता है, जिससे पहचानना मुश्किल होता है। कुछ लोग पूरी तरह से नकली शहद बनाते हैं, जिसमें सिर्फ रंग, फ्लेवर, सिरप और

प्रिजर्वेटिव मिलाकर हनी जैसा दिखाया जाता है। इनवर्ट शुगर को एसिड या एंजाइम की मदद से बनाया जाता है और यह भी शहद जैसा दिखता है।

कपड़े पर शहद गिरा कर जांचें

एक कॉटन के सफेद कपड़े पर कुछ बूंदें शहद की टपकाएं और देखें कि क्या वह कपड़े में फैलता है। असली शहद एक जगह टिकेगा और कोई निशान नहीं छोड़ेगा, जबकि नकली शहद या मिलावटी सिरप फैलकर पीला धब्बा बना देगा।

असली शहद को फ्लेम टेस्ट से पहचानें

एक रुई की बत्ती को शहद में डुबोकर उसे जलाएं। अगर बत्ती आसानी से जल जाती है, तो शहद असली है, क्योंकि उसमें नमी कम होती है। नकली या मिलावटी शहद में मौजूद पानी और सिरप के कारण वह बत्ती जलती नहीं या चटकती है। सिरके की मदद से भी आप शहद को पहचान सकते हैं। यह ट्रिक आपके काम जरूर आएगी। इसके लिए थोड़े से शहद में कुछ बूंदें सफेद सिरके की मिलाएं।

बड़ा से बड़ा वास्तु दोष होगा दूर, मंगलवार और शनिवार के दिन करें ये महा उपाय

कई बार हमारे घर पर ऐसी कई समस्याएं आती हैं जिनका कारण जान पाना मुश्किल होता है। दरअसल इन सभी का कारण आपके घर में मौजूद वास्तु दोष हो सकते हैं। किसी भी तरह के दोष को दूर करने के लिए आप यहां बताया गया आसान उपाय आजमा सकते हैं।

भारतीय संस्कृति और धर्म में स्वस्तिक को अत्यंत शुभ एवं पवित्र चिह्न माना गया है। यह न केवल धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त होता है, बल्कि वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में भी इसका विशेष महत्व है। स्वस्तिक घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और नकारात्मक शक्तियों को दूर करने में सहायक होता है। ऐसा माना जाता है कि अगर किसी घर में कोई भी वास्तु दोष है, तो उसे दूर करने के लिए आपको घर पर स्वस्तिक का चिह्न जरूर बनाना चाहिए। यही नहीं यदि आप सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शनिवार के दिन घर के मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनती हैं तो इससे आपको भविष्य में शुभता मिलने के योग बढ़ जाते हैं।

घर में बनाया गया स्वस्तिक न केवल आपके घर की आर्थिक स्थिति को ठीक करता है, बल्कि परिवार के सदस्यों को भी मानसिक शांति और सफलता प्रदान करता है। आपके घर पर कोई भी बड़ा से बड़ा वास्तु दोष क्यों न हो आप स्वस्तिक के इस उपाय से उसे दूर कर सकते हैं। आइए सेलेब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी से जानें इसके बारे में विस्तार से कि आपको स्वस्तिक कहां और किस दिन बनाना चाहिए जिससे वास्तु दोषों से मुक्ति मिले।

आपके घर के किसी भी स्थान पर वास्तु दोष क्यों न हो आपको इसे दूर करने के लिए सप्ताह के दो दिनों में घर पर स्वस्तिक जरूर बनाना चाहिए। मंगलवार और शनिवार को स्वास्तिक बनाने का विशेष महत्व होता है। घर में मंगलवार और शनिवार के दिन स्वास्तिक बनाने का विशेष कारण यह है कि इन दोनों दिनों का संबंध मंगल और शनि ग्रह से होता है। मंगल ग्रह ऊर्जा, साहस और शक्ति का प्रतीक है, जबकि शनि ग्रह कर्म और न्याय का प्रतीक है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में वास्तु दोष के कारण परेशानियां बनी रहती हैं, तो यह उपाय बहुत प्रभावी होता है।

घर पर स्वास्तिक बनाने के लिए सबसे पहले मुख्य द्वार को अच्छी तरह से साफ करें और शुद्ध जल से पोछा लगाएं। आप मुख्य द्वार पर हल्दी, कुमकुम, रोली या चंदन से स्वस्तिक बना सकते हैं। जिससे यह आपके घर पर पवित्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

कार्नर न्यूज

खेल में करियर के कई ऑप्शन, जानें कैसे मिलती है नौकरी, क्या है स्कोप?

खेल में करियर ढूंढ रहे हैं तो निराश होने की जरूरत नहीं आज ढेरों विकल्प मौजूद जिनसे बना सकते हैं सुनहरा भविष्य

बचपन से ही बच्चों में खेल की रुचि होती है. कुछ लोग अपने खेल के पैशन को आगे बढ़ाते हैं तो कुछ लोग खेल को छोड़ आगे बढ़ जाते हैं।

"खेलोगे कुदोगे तो बनोगे खराब, पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब" बचपन से हमे एक चीज जरूर सुनने को मिलती है। लेकिन बदलते दौर के साथ इस कहावत की परिभाषा भी बदल चुकी है। क्योंकि अब खेल में भी करियर बना सकते हैं और अच्छा भविष्य पा सकते हैं। बचपन से ही बच्चों में खेल की रुचि होती है। कुछ लोग अपने खेल के पैशन को आगे बढ़ाते हैं तो कुछ लोग खेल को छोड़ आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन अब खेल में भी काफी कुछ कर सकते हैं। आज के समय में खेल में करियर तो बना ही सकते हैं साथ ही एक अलग पहचान भी आप बना सकते हैं। खेल के क्षेत्र में भी कई मौके हैं। आप अच्छी सैलरी के साथ नौकरी कर सकते है।

करियर कैसे बनाएं

खेल में करियर बनाने से पहले आपको सबसे पहले ये देखना होगा कि आप किस खेल में बेस्ट हैं। बचपन से आपको किस खेल में रुचि रही है। वो कौनसा खेल है जो आपने बचपन से देखना और खेलना पसंद किया है और अगर आपका करियर उसी

स्पोर्ट्स में बन जाये तो आपकी एक बहुत बड़ी ख्वाहिश पूरी हो जाएगी। उसके बाद आप ये समझ जाएंगे कि आपको किस खेल में करियर बनाना है। आज के समय में समय में खेल के क्षेत्र में काफी नौकरियां उपलब्ध हैं लेकिन आपको इसके बारे में पूरी जानकारी नहीं है। इन जॉब को पाने के लिए हम आपको कुछ सामान्य बातें बता रहे हैं जो कि आपको अपने करियर बनाने में बहुत मदद करेंगे।

इसके साथ ही जिस किसी भी खेल को आप करियर बनाने जा रहे है उसमें अनुभव भी लें ताकि सफलता जल्दी मिले। अनुभव ही आपको सफलता के कदम चूमने में मदद करता है। वर्ष 2014 से स्पोर्ट्स सेक्टर की सालाना चक्रवृद्धि बढ़ोतरी दर 4.3 फीसदी रही है। साल 2018 में यह 488.5 खरब डॉलर का वैश्विक बाजार था। उम्मीद की जा रही है कि 2025 में यह क्षेत्र 8.9 फीसदी की सालाना चक्रवृद्धि बढ़ोतरी दर से आगे बढ़ेगा।

स्पोर्ट्स कोटा में कई नौकरियां

ट्रेनर, स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट, कमेंटेटर, स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजर या एडवेंचर स्पोर्ट्स ऑर्गेनाइजर की राह चुन सकते हैं। प्रोफेशनल खिलाड़ियों का चयन उन लोगों में से होता है, जो अलग-अलग स्तर पर आयोजित टूर्नामेंट में रिकॉर्ड प्रदर्शन करते हैं। उसके बाद संस्थान, जिला, प्रदेश या राष्ट्रीय स्तर पर चयन आयोजित होते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक भी स्पोर्ट्स शख्सियतों की नियुक्तियां करते हैं। सरकारी स्तर पर ग्रुप सी व डी पदों पर प्रदर्शन वाले ऐसे खिलाड़ियों की, जो आवश्यक शैक्षिक योग्यता भी रखते हैं, सीधी भर्ती होती है। स्पोर्ट्स कोटा में कई नौकरियां मिल जाती हैं। बस जरूरत है इन्हें तलाशने की।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में भारत भक्ति यात्रा आज, सैनिकों की माताओं का होगा सम्मान

भोपाल। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेनाओं के प्रति कृतिज्ञता ज्ञापित करने के लिए भोपाल की मातृशक्ति 20 मई, मंगलवार को शाम 5.30 बजे से महाराणा प्रताप नगर, डीबी मॉल के सामने से शौर्य स्मारक तक सैनिकों के सम्मान में भारत भक्ति यात्रा निकालेगी। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल मानवेंन्द्र सिंह मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में पहलगाम में आतंकी हमले में बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सबक सिखाने वाली साहसी सेना का आभार व्यक्त किया जाएगा। साथ ही सैनिक परिवारों की माताओं का सम्मान भी किया जाएगा। इस यात्रा में शहर का सर्व समाज का प्रबुद्धजन मातृशक्ति शामिल होकर समाज में एकता, सामंजस्य एवं सौहार्द का संदेश देंगी।

मां की डांट से नाराज दसवीं के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। हनुमागंज इलाके में रहने वाले एक छात्र ने मां की डांट से खफा होकर सोमवार दोपहर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक सिलावटपुरा निवासी 14 वर्षीय देव पुत्र बाल किशन यादव कक्षा दसवीं का छात्र था। दोपहर में वह खेलते समय पड़ोसी की छत पर चला गया था। इसी बात को लेकर उसे मां ने डांट दिया था। इससे नाराज होकर वह कमरे में चला गया था। थोड़ी देर बाद मां कमरे गई तो उसे फांसी पर लटका देखा। इसके बाद उसे परिजन उतारकर अस्पताल ले गए , जहां उसे मृतक घोषित कर दिया गया। मृतक छात्र घर का इकलौता बेटा था। उसकी एक छोटी बहन है। पिता चाय की दुकान चलाते हैं।

बच्चों से शराब तस्करी कराने वाले गिरोह का खुलासा

भोपाल। मिसरोद में शराब तस्करी के लिए बच्चों का इस्तेमाल करने वाले एक गिरोह का खुलासा हुआ है। पुलिस ने एक नाबालिग से भारी मात्रा में शराब बरामद की है। उससे जिस व्यक्ति द्वारा शराब देकर बिकवाई जा रही थी, उसके खिलाफ भी पुलिस ने मामला दर्ज किया है। फिलहाल वह फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। इधर, कोलार पुलिस ने भी एक वृद्धा के कब्जे से भारी मात्रा में कच्ची शराब बरामद की है। पुलिस के अनुसार रविवार रात लगभग आठ बजे देवकी गार्डन के पास एक किशोर मिला। उसकी उम्र लगभग 17 साल है। उसकी गतिविधियां संदिग्ध दिख रहीं थीं। पुलिस ने जब उसकी तलाशी ली तो उसके पास से 80 क्वार्टर शराब बरामद हुई। वह कक्षा नौंवी का छात्र है। उसने बताया कि बीडीए कालोनी निवसी आनंद कनाडे नामक युवक ने उसे लालच देकर शराब तस्करी के लिए उसे उकसाया था। पुलिस ने इस मामले में आबकारी एक्ट के अलावा जेजे और पॉक्सो एक्ट में विधि विरोधी बालक समेत आनंद कनाडे को भी आरोपी बनाया है। पुलिस उसके घर दबिश देने पहुंची तो वह भूमिगत हो गया था।

एक दशक पहले कोलार में लाखों का बना उद्यान वाटिका बदहाल

केरवा नदी के किनारे बने उद्यान में शाम होते ही बन जाता है असामाजिक तत्वों का अड्डा

भोपाल (नगर संवाददाता)

नगर निगम आम जनता के प्रति कितनी लापरवाह है? इसकी मिसाल कोलार के इनायतपुरा में एक दशक पहले बना उद्यान वाटिका है, जो कि अब देखरेख के अभाव में बदहाल हो चुका है। चूंकि गेट पर अब ताला जड़ा रहता है। इसलिए अब यहां सैलानियों के बजाय असामाजिक तत्व गेट फांदकर अंदर आ जाते हैं, जहां खुलेआम मांस- मदिरा की खुलेआम पार्टी चलती है। इस पार्टी में नगर निगम के टैंकर वाले कर्मचारी भी शामिल हो जाते हैं। इस वजह से यहां कोलारवासियों ने आना ही छोड़ दिया। अब यह पार्क सूना पड़ा रहता है।

बता दें कि यह पार्क इतना अधिक जर्जर हो चुका है कि चलने के लिए फुटपाथ पर लगे पेवर ब्लॉक उखड़ गए हैं। बैठने के लिए बनाए लोहे के बेंच ही गायब हो चुके हैं। बैठक स्थल पर छाया के लिए बनाए हट की छत जर्जर हो चुकी है। गर्मी में कीमती वनस्पतियों वाले लगाए गए पेड़-पौधे अब पानी के लिए तरस रहे हैं। केवल इनको बरसात में केरवा नदी के कारण जीवनदान मिल जाता है। पार्क की देखरेख की जिम्मेदारी जिस सुपरवाइजर अमरदास को दी गई, उसका नाम और मोबाइल नंबर बोर्ड पर अंकित है, लेकिन उसका अतापता नहीं है। मोबाइल भी बंद रहता है।

पूर्व विधायक डागा ने बनवाया था ये पार्क

बता दें कि लगभग 35 लाख रुपए की लागत से कोलार के बैरागढ़ चीचली मार्ग पर स्थित इनायतपुर में तत्कालीन नगर पालिका के सीएमओ राजेश श्रीवास्तव ने 2014 में सुंदर पार्क बनाया था। कोलार वालों के लिए यह पहला पार्क था, जोकि करीबन दो एकड़ में बना है। इसके निर्माण करने में तत्कालीन विधायक जीतेंद्र डागा ने काफी रूचि ली थी। केरवा नदी से लगे इस पार्क में विभिन्न प्रकार की दुर्लभ वनस्पतियों के पेड़ लगाए गए थे। इनमें से कई सूखकर खत्म हो गए हैं। विधायक डागा के अनुसार मेरा सपना था कि कोलार को सुंदर पार्क दूं। जिससे कोलार वासियों को घुमने, बच्चों को मनोरंजन के लिए एक हराभरा स्थल मिल सकें। लेकिन अब नगर निगम की लापरवाही से दो एकड़ मे बनी सुन्दर पार्क खत्म हो चुका है। देखरेख के अभाव में पार्क बदहाल हो चुका है।

नगर निगम में मर्ज के बाद नहीं आई महापौर

कोलार में जब तक नगर पालिका रही, तब विकास कार्य होते थे, लेकिन 2022 में कोलार को नगर निगम भोपाल में मर्ज कर दिया गया, नतीजन कोलार की अब खुलेआम उपेक्षा हो रही है। विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। कोलार के राजहर्ष के प्रकाश वर्मा, दानिशकुंज के कांग्रेस नेता सुजीत पंडा, राजवैद्य के प्रमोद राजपूत आदि ने बताया कि नगर निगम में शामिल होने के बाद कोलार की उपेक्षा हुई है। केवल कुछ कॉलोनियों में सड़कें बनी, लेकिन एक भी सुंदर पार्क नहीं है, जहां शाम को बच्चों को मनोरंजन के लिए ले जा सके। रहवासियों का आरोप है कि भोपाल नगर निगम में कोलार नपा के मर्ज होने के बाद महापौर एक बार भी कोलार नहीं आई है। विकास के नाम पर नगर निगम भोपाल के अधिकारियों की भूमिका भी शून्य है।

इनका कहना है

कोलार यानि श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर के इनायतपुर के उद्यान वाटिका की उपेक्षा की जानकारी आपसे मिली है। अब कोलार शहर कजलीखेड़ा तक विकसित हो चुका है। ऐसे में इस पार्क को दोबारा आम जनता के लिए विकसित करेंगे। इस बारे में नगर निगम के अधिकारियों से चर्चा करूंगा।

- रामेश्वर शर्मा, विधायक हुजूर

मप्र में 4 आयुक्तों की नियुक्ति के बाद भी कम नहीं हो रही राज्य सूचना आयोग में अपीलों की संख्या

तीन गुना तेजी से बढ़ रही अपीलों की संख्या

- 20 हजार से अधिक अपीलों व शिकायतों का नहीं हुआ निराकरण

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

मप्र राज्य सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त सहित चार सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को आठ महीने से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन आयोग में लंबित अपीलों और शिकायतों की संख्या तीन गुना तेजी से बढ़ रही हैं। मार्च तक आयोग में 19003 अपील और 1311 शिकायतें लंबित थी, अब तक अपीलों की संख्या बढ़कर 20 हजार और शिकायतों की संख्या 1500 से ज्यादा हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि 28 मार्च 2024 को मुख्य सूचना आयुक्त ए.के.शुक्ला और सूचना आयुक्त राहुल सिंह का कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद से करीब साढ़े पांच महीने आयोग आयुक्त विहीन रहा। 10 सितम्बर 2024 को मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई चयन समिति की बैठक में मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में सेवानिवृत्त आईपीएस विजय यादव एवं सूचना आयुक्त पदों पर शिक्षाविद् डॉ. उमाशंकर पचौरी, समाजसेवी श्रीमती वंदना गांधी और सेवानिवृत्त न्यायाधीश ओंकार सिंह मरकाम की नियुक्ति की गई। 17 सितम्बर 2024 को सभी ने राजभवन में पद और गोपनीयता की शपथ लेकर कार्यभार संभाला। इसके बाद से लगातार आयोग में लंबित अपीलों की सुनवाई की जा रही है। जिस समय आयुक्तों की नियुक्ति हुई थी, उस समय करीब 15 हजार अपीलें और लगभग 1130 शिकायतें लंबित थीं। मई 2025 तक लंबित अपीलों की संख्या 20 हजार और शिकायतों की संख्या 1500 से ज्यादा हो चुकी है।

आयुक्तों के छह पद अभी भी खाली

राज्य सूचना आयोग के गठन के समय यहां मुख्य सूचना आयुक्त सहित आयुक्तों के कुल 10 पद स्वीकृत किए गए थे, लेकिन अब तक एक भी बाद सभी पद नहीं भरे गए। वर्तमान में भी कुल 4 ही आयुक्त हैं। इसीलिए आयोग में अपीलों और शिकायतों की संख्या हर महीने कम होने की बजाय बढ़ रही है।

न्यायालय की टिप्पणी केवल शाह नहीं, भाजपा पर भी सवाल खड़े करती है : पटवारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के जनजातीय कार्यविभाग के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर की गई टिप्पणी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने शाह की जमकर फटकार लगाई है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने मंत्री विजय शाह की माफी को खारिज करते हुए सख्त टिप्पणी की है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि कभी-कभी माफी बचने के लिए मांगी जाती है, तो कभी-कभी ये मगरमच्छ के आंसू जैसी होती है। आप लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आप एक पब्लिक फिगर हैं, बोलते समय विचार करना चाहिए। यह टिप्पणी न केवल विजय शाह के लिए, बल्कि भाजपा के चरित्र पर भी गंभीर सवाल उठाती है।

पटवारी ने सरकार ने मंत्री पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि देश सेवा में लगी बेटियों का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी इस देश की बेटी हैं, भारतीय सेना का गौरव हैं, और ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से उन्होंने विश्व मंच पर भारत का परचम लहराया है। ऐसे में, मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री द्वारा उनके चरित्र और धर्म पर आधारित अपमानजनक टिप्पणी न केवल उनकी व्यक्तिगत गरिमा पर हमला है, बल्कि यह भारतीय सेना, देश की एकता, और संवैधानिक मूल्यों का अपमान है।

बीच रोड पर खड़ीं लाल बसों से ट्रैफिक जाम

भोपाल। राजधानी भोपाल में चलने वाली लाल बसें बस स्टॉप पर न रुक कर हर जगह खड़ी हो जाती हैं। जिससे यात्रियों के लिए बनाए गए बस स्टॉप खाली पड़े रहते है और बस वाले रोड के बीच बस रोककर खड़े हो जाते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम होने लगता है। परिवहन विभाग के अधिकारियों या यातायात पुलिस का इस ओर ध्यान नहीं हैं। दृश्य- बोर्ड ऑफिस चौराहे का । समय दोपहर 3:30 का। **फोटोः विपिन यादव**

शिक्षकों के तबादलों की ऑनलाइन व्यवस्था ठप

- पोर्टल से आवेदन निरस्त करने के निर्देश
- जबरन तबादले पर उच्च न्यायालय लगा चुका है फटकार

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षकों के तबादलों में जमकर गड़बडी की जा रही है। तबादला नीति के तहत स्वैच्छिक तबादलों के लिए पहले शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन तबादले बुलाए। अब लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा स्वैच्छिक तबादलों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले शिक्षकों से आवेदन डिलीट करने को कहा गया है।

संचालनालय ने यह निर्देश ऐसे समय निकाला है, जब तबादलों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 मई निर्धारित है। शिक्षकों के तबादलों में गड़बड़ी के आरोप शुरू से लग रहे हैं। पिछले हफ्ते मप्र उच्च न्यायालय ने महिला शिक्षा के जबदन तबादले पर आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय से जवाब मांगा है। महिला शिक्षकों को अतिशेष बताकर जबदन तबादला करने और अन्य महिला शिक्षको जबदन पदस्थ करने के मामले में लोक शिक्षण संचालनालय की तबादला प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इसी हफ्ते संचालनालय को न्यायालय में जवाब देना है। इससे पहले संचालनालय ने एक निर्देश जारी कर शिक्षकों से कहा है कि ऐसे अतिशेष शिक्षक जो त्रुटिपूर्ण जानकारी के कारण अतिशेष हैं, वे अपने स्वैच्छिक तबादले के आवेदन को सुधार, डिलीट कर सकते हैं। अतिशेष शिक्षकों के संबंध में प्रक्रिया एवं समयसारिणी पृथक से प्रसारित की जाएगी। विभागीय सूत्र बताते हैं कि शिक्षकों के तबादलों से जुड़ा ज्यादातर कार्य ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही ऑफलाइन हो चुका है।

विधायक और उनके परिजनों पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

बहू ने की थी पुलिस से शिकायत

भोपाल (नगर संवाददाता)

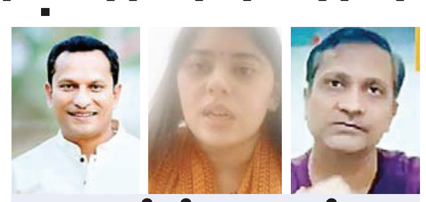

स्कूल की फीस तक कर दी बंद

कव्या सिंह का आरोप है कि उनकी दो जुड़वां बेटियां हैं। उन्हें घर से निकाल दिया गया, जिसकी वजह से वे अपने मायके में रहती है। उनके द्वारा बेटियों की स्कूल की फीस तक नहीं दी जाती है।

महिला थाना पुलिस सोमवार को पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक सुरेंद्र सिंह उर्फ हनी बघेल और उनके परिजनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और घरेलू हिंसा का मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला जमानती धाराओं का होने की वजह से पुलिस ने उन्हें थाने में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है।

पुलिस के मुताबिक यह मामला विधायक के छोटे भाई देवेन्द्र की पत्नी 34 वर्षीय काव्या सिंह ने दर्ज कराया है। उनकी शिकायत पर पति देवेन्द्र के अलावा जेठ सुरेन्द्र सिंह, उनकी पत्नी शिल्पा सिंह बघेल सासा चन्द्र कुमारी सिंह और ननद शीतल बघेल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सभी आरोपियों पर मारपीट करने, दहेज के लिए प्रताड़ित करने और धमकाने के वीडियो भी पुलिस को दिए थे। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उसकी शादी ननद शीतल सिंह बघेल ने 2018 में देवेन्द्र से कराई थी। शादी के समय बताया गया था की देवेंद्र एमबीए हैं और उनका बड़ा व्यवसाय है। शादी के बाद पता लगा कि पति 8वीं फेल है और वह अत्याधिक शराब पीने का आदी है। इसकी वजह से उन्हें पारिवारिक व्यवसाय से दूर रखा जाता है। इसका पता लगने के बाद जब उनके द्वारा इसको लेकर विधायक जेठ और सास से बात की तो उनके द्वारा उन्हें धमकाया जाने लगा और मारपीट की जाने लगी। उन्होंने आरोप लगाया है कि पति दबाव बनाकर उनसे तलाक के पेपर साइन कराना चाहता था। जब उन्होंने साइन करने से इनकार किया तो उनके खिलाफ कई तरह के षड्यंत्र किए जाने लगे। उन्हें और उनके मायके वालों को झूठे एससीएसटी के केस में फंसाने की धमकी तक दी जाने लगी।

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा के बाद छात्र कर सकते हैं स्नातक

तकनीकी शिक्षा विभाग ने एमपी बोर्ड को भेजा प्रस्ताव

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में पॉलिटेक्निक डिप्लोमा करने के बाद छात्र स्नातक की पढ़ाई कर सकेंगे। अब ऐसे छात्रों को पॉलिटेक्निक डिप्लोमा का लाभ नॉन टेक्निकल कोर्सेस में मिलेगा, जिससे उन्हें ग्रेज्युएशन करने के लिए अब 12 वीं पास करने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि पॉलिटेक्निक करने के बाद वे सीधे बीए, बीकॉम या बीएससी के फर्स्ट ईयर में एडमिशन ले सकेंगे।

इस संबंध में तकनीकी शिक्षा विभाग ने एमपी बोर्ड को प्रस्ताव भी भेजा है। इसके मंजूर होने के बाद नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। बता दें कि तकनीकी शिक्षा विभाग ने पॉलिटेक्निक में एडमिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। प्रस्ताव के अनुसार, यदि कोई विद्यार्थी तीन साल के डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश लेकर कम से कम दो साल की पढ़ाई पूरी करता है, तो उसे हायर सेकंडरी यानी 12 वीं कक्षा के समकक्ष माना जाएगा।

जानकारों का मानना है कि इस पहल से पॉलिटेक्निक की विश्वसनीयता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को करियर के अधिक विकल्प मिलेंगे। इससे पहले पॉलीटेक्निक डिप्लोमा कर चुके छात्र स्नातक नहीं कर पाते थे। लेकिन अब शासन ने उन्हें ये अवसर दिया है। अगर प्रस्ताव मंजूर हो गया, तो छात्रों के लिए अपने कैरियर को संवारने का बेहतर अवसर मिल सकेगा।

इनका कहना है

पॉलिटेक्निक डिप्लोमा करने के बाद छात्रों को स्नातक कराने का प्रस्ताव तकनीकी शिक्षा विभाग ने भेजा है। इस प्रस्ताव को बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड में चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा।

- केडी त्रिपाठी, सचिव माशिमं भोपाल

सर्जरी | एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने मरीज की बचाई जान

किसान के पेट से 10 सेमी एब्डॉमिनल एऑर्टिक एन्यूरिज्म निकाला

भोपाल (नगर संवाददाता)

एम्स भोपाल के कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी (सीटीवीएस) विभाग ने एक और जटिल सर्जरी सफलता पूर्वक संपन्न की। इस सर्जरी के माध्यम से सागर जिले के 60 वर्षीय एक किसान का उपचार किया गया, जो विगत एक वर्ष से पेट में दर्द की समस्या से पीड़ित थे। उन्होंने कई अस्पतालों में परामर्श किया, जहाँ जाँच के उपरांत पेट की महाधमनी में 10 सेंटीमीटर का एब्डॉमिनल एऑर्टिक एन्यूरिज्म (महाधमनी की सूजन) पाया गया, जो धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था तथा कभी भी फट सकता था। विभिन्न अस्पतालों में उपचार कराने के बाद भी जब उन्हें राहत नहीं मिली, तब वे एम्स भोपाल के सीटीवीएस विभाग में पहुँचे। विभाग की विशेषज्ञ टीम द्वारा विस्तृत परीक्षण के बाद सर्जरी का निर्णय लिया गया। इस सर्जरी में सूजनग्रस्त महाधमनी को सफलतापूर्वक हटाकर, ग्राफ्ट (कृत्रिम नली) की सहायता से उसकी मरम्मत की गई। सर्जरी के पश्चात मरीज को आईसीयू में स्थानांतरित किया गया जहां उनके स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है।

इस उपलब्धि के महत्व पर जोर देते हुए प्रो. सिंह ने कहा, यह सफल सर्जरी एम्स भोपाल की मध्य प्रदेश के लोगों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। एम्स भोपाल के लिए यह गर्व का विषय है कि हम ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों सहित समाज के सभी वर्गों के मरीजों को उन्नत एवं जीवन रक्षक चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रहे हैं। हमारी प्रतिबद्धता है कि ऐसी महत्वपूर्ण चिकित्सकीय सेवाएं सभी जरूरतमंदों तक पहुंचें और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य एवं नई उम्मीद मिले। इस मरीज की सर्जरी कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख डॉ. योगेश निवारिया की देखरेख में किया गया। सर्जिकल टीम में डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी और डॉ. आदित्य सिरोही शामिल थे। यूरोलॉजी विभाग से डॉ. केतन मेहरा एवं एनेस्थीसिया विभाग से डॉ. प्रणिता मंडल ने इस सर्जरी में सहयोग किया।

सर्जरी के पहले | सर्जरी के बाद

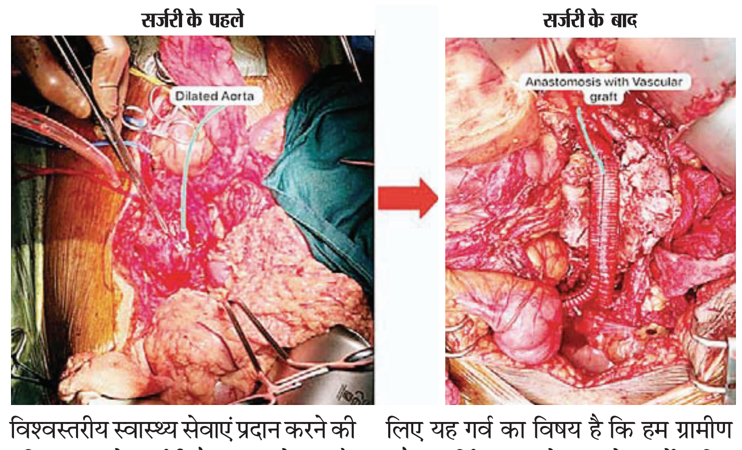

करोंद चौराहे पर आंधी से गिरे मेट्रो के बोर्ड

भोपाल। करोंद चौराहे पर सोमवार की शाम को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मेट्रो निर्माण कंपनी यूआरसी का काम यहां चल रहा है। काम के दौरान मेट्रो ने यातायात को व्यवस्थित करने कई क्विंटल वजनी बोर्ड लगा रखे हैं। अचानक तेज आंधी आने से सड़क पर लगे कई वजनी बोर्ड अचानक गिर गए। इस दौरान बैरसिया रोड की ओर से आ रहे कई वाहन चालक बाल-बाल बच गए। हालांकि तत्काल मौके पर मौजूद यूआरसी के कर्मचारी, इन बोर्डो को सड़कों से उठाकर बगल से निकलने वाले वाहन चालकों को सतर्क करते रहे। अगर ये बोर्ड किसी वाहन चालक पर गिरते, तो बड़ा हादसा हो जाता।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई-100/22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।

विरासत से विकास

300वीं जन्म जयंती पर
लोकमाता अहिल्याबाई होलकर
को कृतज्ञतापूर्ण नमन

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

लोकमाता अहिल्याबाई
के मूल्यों एवं आदर्शों को समर्पित

राजवाड़ा, इंदौर में

मध्यप्रदेश मंत्रिपरिषद बैठक
का आयोजन

विकसित मध्यप्रदेश @2047
विज़न डॉक्यूमेंट पर मंथन

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

20 मई, 2025 । पूर्वाह्न 11:00 बजे

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

D-11027/25

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025